MPHIN/2021/83938

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 352 | ग्वालियर, 18 अक्टुबर बुधवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड मिलने पर भावुक हुईं तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा पूरा हॉल

नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में दिग्गज एक्ट्रेस वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्डस से नवाजा गया है. भारत की राष्ट्पति द्रौपदी मुर्मु ने अपने हाथों से उन्हें सम्मानित किया. इस दौरान वहीदा की आंखों में आंसू नजर आए. इस दौरान हॉल में मौजूद सभी लोगों ने खड़े होकर एक्ट्रेस को सम्मान दिया और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उन्हें बधाई दी.अवॉर्ड लेने के बाद वहीदा रहमान ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और जूरी मेंबर्स का शुक्रिया अदा किया. इसके बाद वहीदा ने कहा- मुझे बहुत सम्मानीय महसूस हो रहा है. लेकिन आज जिस भी मुकाम पर मैं खड़ी हूं, यह मेरी प्यारी फिल्म इंडस्ट्री की वजह से है. मुझे किस्मत से बहुत अच्छे टॉप डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स, फिल्म मेकर्स, टेक्नीशियंस, राइटर्स,डायलॉग राइटर्स और म्यूजिक डायरेक्टर्स सबका बहुत सहारा मिला. बहुत इज्जत दी, बहुत प्यार दिया.

फिल्म इंडस्ट्री के साथ शेयर किया अवॉर्ड–वहीदा ने आगे कहा, %आखिर में हेयर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर और मेकअप आर्टिस्ट का भी बड़ा हाथ होता है. इसीलिए यह अवॉर्ड मैं अपने फिल्म इंडस्ट्री के सारे डिपार्टमेंट के साथ शेयर करना चाहती हूं क्योंकि उन्होंने शुरू दिन से मुझे बहुत प्यार दिया, सपोर्ट किया. कोई भी एक अकेला आदमी फिल्म नहीं बना सकता, उन सबको हम सबकी जरूरत होती है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहीदा के लिए कही ये बात–राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहीदा रहमान को दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड से सम्मानित होने की बधाई दी. राष्ट्रमति मुर्मू ने कहा, उन्होंने अपनी कला और व्यक्तित्व से फिल्म जगत के शिखर पर अपनी जगह बनाई है. उन्होंने फिल्मों में काम करने के लिए कोई दूसरा नाम रखने से इंकार कर दिया था. जबकि उस दौर में नाम बदलकर काम करना चलन था. उन्होंने कई ऐसी फिल्में चुनीं जिनमें उनका रोल महिलाओं से जुड़े बंधनों को तोड़ती थी. वहीदा जी ने मिसाल पेश की है कि वुमन इम्पावरमेंट के लिए खुद महिलाओं को ही पहल करनी चाहिए.

भारत जल्द लगाने वाला है 56 ग्लेशियल लेक्स पर अर्ली वार्निंग सिस्टम, अगले साल तक शुरू हो सकता है पहला फेज

तूफान और बिजली हालिया वर्षों में बड़े मौसमी दुष्चक्र की तरह उभर कर सामने आए हैं, जिनकी वजह से देश के विभिन्न हिस्से प्रभावित हुए हैं. बिजली गिरना, वज्रपात होना बहुत ही कम देरी में घटित होनेवाली घटनाएं हैं. बिजली अचानक और बहुत तेजी से गिरती है, इसीलिए यह किसी भी व्यक्ति को बहुत कम समय प्रतिक्रिया के लिए देती है. उसी तरह बादल फटने की घटना है, जिसमें पहाड़ों पर गांव के गांव बह जाते हैं. उनको बादलों का फटना इसलिए कहते हैं कि अचानक ही कोई बादल पहाड़ों से टकराता है और उसमें जमा सारा पानी अचानक ही जमीन पर आ गिरता है, इस अप्रत्याशित बहाव में ही सारी दुर्घटनाएँ होती हैं, जैसे केदारनाथ में हुई बड़ी दुर्घटना याद ही होगी. वहां सैकड़ों जाने गयी थीं. उसी तरह ग्लेशियर से बनी झीलों में भी अचानक दुर्घटनाएं होती हैं, जैसी अभी सिक्किम में हुई है. सरकार अब इन जैसी घटनाओं से निबटने के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम पर काम कर रही है. मौसम का अतिवादी रुख अब लगभग रोजाना की बात बन गयी है. कल यानी 16 अक्टूबर की रात देश के कई हिस्सों में अचानक मौसम का रुख बदला और तेज हवा, आंधी और बारिश के साथ अचानक ठंड का आगमन हुआ. इसकी वजह से ही बिहार के मुख्यमंत्री अपने निवास से सचिवालय पैदल गए.

हिमालय की झीलों से है खतरा–भारत का लक्ष्य है कि वह हिमालय में अगले साल तक कुछ उच्च खतरे वाले ग्लेशियर की झीलों से अर्ली वार्निंग सिस्टम को लगा दे, क्योंकि सिक्किम में अभी हाल ही में आयी बाढ़ जैसी घटनाओं को सरकार दोहराते हुए नहीं देखना चाहती है. पहले समझिए कि ग्लेशियल लेक या ग्लेशियर की झील क्या होती है? दरअसल, ळ्ठ्ठष्द्बड्ढ्य रूड्डद्मद्गह्य ग्लेशियर्स के कैचमेंट एरिया में बनी हुई झील होती हैं. इनमें दुर्घटनाएं कभी भी घट सकती हैं और इसके लिए कई वजहें हैं. इनमें अचानक पानी आने, एवलांच आने से, या बादल फटने के कारण पानी का बहाव बहुत तेज हो जाता है जो भारी तबाही का कारण बनता है. पिछले दिनों सिक्किम में ऐसे ही एक ग्लेशियल लेक के भीतर बहुत अधिक पानी होने के कारण दुर्घटना हुई, और कई लोग मारे गए, जिनमें से कई भारतीय सेना के कई जवान भी थे. केदारनाथ में 2013 में आई आपदा भी चौराबाडी ग्लेशियल लेक के अंदर अचानक पानी बढ़ने से ही हुई थी, जिसके कारण 10,000 से ज्यादा लोग मारे गए थे. सरकार जिस अर्ली वार्निंग सिस्टम को लगाने का सोच रही है, वह दुर्घटना को रोक तो नहीं सकते, लेकिन पहले से सतर्क जरूर कर सकते हैं, ताकि लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाला जाए. इसके लगने से अब ऐसी घटनाओं का कई घंटो पहले पता लग जायगा, और लोगों को वहाँ से निकाल कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया जा सकेगा. इससे जानमाल का नुकसान कम होने की संभावना है. मौसम के अचानक अतिवादी रुख पकड़ने से फसलें मारी जाती हैं, पेड़-पौधे उखड़ते हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर का नुकसाना होता है और एक आकलन के अनुसार हरेक साल 2500 लोग तो केवल बिजली गिरने से मरते हैं. हमारे यहां समंदर के किनारे या पहाड़ों पर भी बहुतेरी दुर्घटनाएं होती हैं और ये अर्ली वार्निंग सिस्टम उनको ही रोकने का प्रयास है.

स्विटजरलैंड के विशेषज्ञों का साथ–भारत में 56 ग्लेशियल लेक हैं, जिनको ऊंचे खतरे वाले ग्रुप में रख सकते हैं. इनके निरीक्षण की जरूरत उस समय से और बढ़ गयी है जब पूर्वी हिमालय के क्षेत्र से लोनाक लेक ने सिक्किम में तबाही मचा दी.

कपड़ा फाड़ राजनीति! दिग्विजय सिंह से क्यों बोले कमलनाथ- आपको गाली खानी पड़ेगी

मध्य प्रदेश की राजनीति में इन दिनों कपड़ा फाड़ राजनीति की चर्चाएं जोरों पर हैं. बीते दिनों बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत कई पार्टी नेताओं ने एक वीडियो ट्वीट किया था, जिसमें कमलनाथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं से यह कहते सुने जा रहे थे कि दिग्विजय सिंह-जयवर्धन सिंह के कपड़े फाड़ो.इस वीडियो को बीजेपी नेताओं ने ट्वीट कर कांग्रेस में आपसी दरार का दावा करते हुए तंज कसा था. अब इसके जवाब में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंगलवार (17 अक्टूबर) को कांग्रेस का वचन पत्र जारी करते हुए कमलनाथ और दिग्विजय सिंह से हंसी ठिठोली करते नजर आए.

आपको गाली खानी पड़ेगी–इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने दिग्विजय सिंह से कहा कि आपको गाली खानी पड़ेगी. दरअसल, कांग्रेस के वचन पत्र को जारी करने वाले मंच पर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह हंसी-ठिठोली करते हुए दिखाई पड़े. मंच से कमलनाथ बोले कि मैंने कहा था कि वे आपकी बात न मानें तो उनके कपड़े फाड़े इसके जवाब में दिग्विजय सिंह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कमलनाथ से कहा कि ए फॉर्म और बी फॉर्म में दस्तखत किसके होते हैं, पीसीसी अध्यक्ष के तो कपड़े किसके फटने चाहिए, बताओ.

दिग्विजय सिंह के पास है पावर ऑफ अटॉर्नी–इसके बाद कमलनाथ ने कहा कि मेरा-दिग्विजय सिंह का संबंध राजनीति में हंसी मजाक का है, प्यार का है. उन्होंने कहा कि मैंने दिग्विजय सिंह को बहुत पहले एक पावर ऑफ अटॉर्नी दी थी कि कमलनाथ के लिए आप पूरी गालियां खाइए तो ये पावर ऑफ अटॉर्नी आज के दिन भी वैलिड है.इसके जवाब में दिग्विजय सिंह ने कहा कि लेकिन, यह भी सुन लीजिए कि गलती कौन कर रहा है, यह पता होना चाहिए. सिंह ने कहा कि देखिए गलती हो या न हो गाली खानी है. इस पर कमलनाथ बोले कि मेरा संबंध इनसे बहुत पुराना है. मेरा दिग्विजय सिंह से राजनीतिक संबंध नहीं, पारिवारिक संबंध है.वहीं, इस हंसी-ठिठोली पर मध्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि दिग्विजय सिंह और राज्यवर्धन के कपड़े फाड़ने का कमलनाथ का बयान कांग्रेस के अपराधीकरण के चरित्र को उजागर करता है

ये मकान या दुकान की नहीं... सरकारी बंगला मामले में हाईकोर्ट से मिली राहत तो क्या कुछ बोले राघव चड्ढा?

सरकारी बंगला खाली करने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से मंगलवार (17 सितंबर) को राहत मिलने पर आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि सत्य की जीत हुई. आप नेता राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, ये मकान या दुकान की नहीं, संविधान को बचाने की लड़ाई है. आखिर में सच और न्याय की जीत हुई. उन्होंने बयान जारी कर

कहा कि मैं दिल्ली हाई कोर्ट का फैसले का स्वागत करता हूं. दरअसल कोर्ट ने कहा कि राघव चड्ढा को मिला टाइप-7 सरकारी बंगला उन्हें खाली नहीं करना होगा.

राघव चड्ढा ने क्या कहा–राघव चड्ढा ने बयान में आगे कहा कि पूरा मामला राजनीतिक प्रतिशोध का है. इसका मकसद चुप कराना है. राज्यसभा के 70 साल के इतिहास में पहली बार हुआ है कि सांसद को सरकार से सवाल करने के लिए राजनीतिक उत्पीड़न झेलना पड़ा.

दिवाली पर सीएम योगी का तोहफा, सरकार ने की साल में दो सिलेंडर मुफ्त देने की तैयारी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने दीपावली के त्योहार से पहले प्रदेश वासियों को तोहफा देने की तैयारी कर ली है. योगी सरकार अब चुनाव से पहले साल में दो बार मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जाने का वादा पूरे करने जा रही है. इस बार दिवाली के तहत दिए गए गैस सिलेंडर धारकों को सिलेंडर मुफ्त दिया जाएगा. इसका पैसा सीधे उनके खातों में जाएगा.

योगी सरकार डेढ़ साल बाद अपने मुफ्त सिलेंडर के वादे को पूरा करने जा रही है. इसके लिए राज्य के मुख्य सचिव ने योजना संबंधी दिशा निर्देश विभागीय अधिकारियों को जारी कर दिए हैं.

सीएम बनने के लिए लालू यादव ने मेरे पति को मरवा दिया, BJP सांसद रमा देवी बोलीं- सारे राक्षसों का विनाश करने के लिए मैं काफी

पटना।शिवहर से बीजेपी की सांसद रमा देवी ने मंगलवार (17 अक्टूबर) को बड़ा बयान दिया है. रमा देवी ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि लालू यादव ने मुख्यमंत्री बनने के लिए मेरे पति को मरवा दिया. ये लोग बेशर्म हो गया. ये लोग पैसा खाने के लिए बैठा हुआ है. इनके यहां रोज घोटाला होता है.रमा देवी मंगलवार को पटना के गर्दनीबाग में आयोजित धरना को संबोधित कर रही थीं. वे आरजेडी और महागठबंधन की सरकार पर खूब बरसीं. कहा कि नारी शक्ति का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है और महिला बिल पास करने का काम किया है. ये लोग सिर्फ अपनी महिला को सम्मान देने का काम करते हैं.

जेल में जाओ.. जेल से आओ... बेल पाओ–सांसद रमा देवी ने कहा कि ये लोग अरबपति और खरबपति बने हुए हैं. शर्म तो लगता नहीं है. जेल में जाओ, जेल से आओ, बेल पाओ. अब जाति गणना में भी हमलोगों का घोटाला कर दिया है. यह घोटाला बर्दाश्त नहीं होगा.

अगर महाराष्ट्र के स्पीकर निपटारे की समय सीमा तय नहीं करेंगे तो..., विधायकों की अयोग्यता मामले में एस सी की अहम टिप्पणी

महाराष्ट्र में सीएम एकनाथ शिंदे समर्थक विधायकों की अयोग्यता पर सुनवाई करने में विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर की तरफ से हो रही देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर असंतोष जताया.पिछले हफ्ते कोर्ट ने सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता को स्पीकर से बात कर समय सीमा तय करने को कहा था. आज (मंगलवार, 17 अक्टूबर) को सॉलिसीटर जनरल ने इसके लिए समय की मांग. कोर्ट ने उन्हें अंतिम मौका देते हुए 30 अक्टूबर को सुनवाई की बात कही. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार फिर

कहा कि अगर स्पीकर मामले के निपटारे की समय सीमा तय नहीं करेंगे तो कोर्ट उसे तय कर देगा.

पिछली सुनवाई में क्या हुआ था–सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हुई पिछली सुनवाई के दौरान भी विधायकों की अयोग्यता में हो रही देरी को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि आपहमारे आदेश को विफल नहीं कर सकते. इसके बाद कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण, उद्धव ठाकरे की शिवसेना के नेता संजय राउत और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के चीफ शरद पवार ने कहा था कि स्पीकर बूझकर देरी कर रहे हैं. बता दें कि कोर्ट ने 18 सितंबर को भी महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को मामले में समय सीमा बताने को कहा था.

कुछ देर बंकर में रहकर खुद को सेफ रखा, इजरायल से लौटे छात्र ने बताया कैसे बचाई जान

इजराइल और फिलिस्तीनी हमास के बीच युद्ध जारी है. भीषण संघर्ष में फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन अजय चलाया जा रहा है. चार्टर्ड विमान के जरिए अब तक सैकड़ों भारतीयों की सकुशल स्वदेश वापसी कराई गई है. युद्धग्रस्त इजरायल से जत्थे में लौटे बनारस के छात्र ने आपबीती सुनाई. राहुल सिंह हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ जेरूसलम में शोध करने इजरायल गए थे. उन्होंने बताया कि 7 अक्टूबर को घर आने के लिए विमान पकड़नेवाला था.**इजरायल से लौटे छात्र ने सुनाई आपबीती**–एयरपोर्ट जाने की तैयारी के बीच मैसेज आया कि हमास ने इजरायल पर हमला कर दिया है.

निठारी कांड:

क्या 19 मासूमों की मौत के पीछे था बड़ा रैकेट, कोली-पंढेर बना दिए गए सिर्फ मोहरे?

साल 2006 में 7 मई को उत्तर प्रदेश को सबसे अत्याधुनिक शहर नोएडा के एक थाने में युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई जाती है. पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी जैसा कि आम तौर पर ऐसे मामलों में होता है. लेकिन जांच के दौरान जो बातें सामने आई उससे पूरा भारत ही नहीं, दुनिया भी सकते में आ गई. नोएडा के निठारी गांव में बनी कोठी नंबर डी-5 के पीछे एक नाले से कंकाल बरामद होने लगे. करीब 13 साल बाद इस कांड के मुख्य आरोपियों सुरेंद्र कोली और मोनिंदर पंढेर को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बरी कर दिया गया. इन दोनों को निचली अदालत ने फांसी की सजा सुना दी थी.

क्या कोली-पंढेर सिर्फ मोहरे हैं–फैसला सुनाते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने जनता के भरोसे से धोखाधड़ी की है. इलाहाबाद हाईकोर्ट में 14 मई 2015 को आरोपी सुरेंद्र कोली ने एक अर्जी दी थी, जिसमें केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण विभाग द्वारा विशेषज्ञों से करवाई गई निठारी कांड की जांच रिपोर्ट भी थी. रिपोर्ट में शवों के पोस्टमार्टम की निगरानी करने वाले नोएडा सीएमओ डॉ. विनोद कुमार के हवाले से कहा गया था कि सभी शवों के धड़ गायब थे. शक ये जताया गया कि इनके अंग बेचे गए थे. छोटे बच्चों के अंगों की प्रत्यारोपण की बहुत मांग भी थी.शक इसलिए भी हुआ क्योंकि शवों के शरीर से इनके अंग बेहद चिकित्सकीय तरीके से काटे गए थे. डॉ. कुमार ने ये शक भी जताया था कि नरभक्षण का आरोप शवों के गायब हुए अंगों से ध्यान भटकाने के लिए लगाया गया है.हाईकोर्ट ने इस अर्जी का उल्लेख करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा कि समिति ने सीबीआई को मानव अंगों के अवैध कारोबार के एंगल पर जांच करने की सिफारिश की थी. वहीं नोएडा के अस्पतालों में हुए प्रत्यारोपण का रिकॉर्ड जांचने और हत्याओं में बड़ी गैंग के शामिल होने की जांच के लिए कहा गया था, लेकिन सीबीआई ने कुछ नहीं किया. पंढेर के बंगले डी-5 के पड़ोस में डी-6 में रहने वाले डॉक्टर अमित का बयान तक नहीं लिया, जो मानव अंगों के अवैध कारोबार में पकड़ा गया था.सीबीआई ने बस इतना बताया कि डी-6 बंगले की जांच की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला. हाईकोर्ट ने कहा इतना काफी नहीं था. मामले में हाईकोर्ट ने ये शक भी जताया कि डॉ. विनोद ने ये साफ शक जताया था कि एक शव तीन महीने में सड़ना शुरू होता है. जबकि उस शव को पूरी तरह सड़ने में 3 साल का समय लग जाता है. ऐसे में कई बच्चे एक साल से भी कम समय पहले मारे गए थे, फिर भी उनकी कुछ ही हड्डियां क्यों मिल रही हैं? सीबीआई ने मानव अंगों के अवैध कारोबार की वजह से बच्चों व महिलाओं के गायब होने के एंगल से कोई जांच ही नहीं की.हाईकोर्ट ने कहा कि कोली के बयान के अनुसार हत्याएं करने के दौरान वो किसी स्वचालित अवस्था में पहुंच जाता था, वो पीड़ितों को ललचाता, घर में लाता, हत्या करता, सेक्स करता, शरीर के टुकड़े करता, उन्हें पकाकर खाता, बचे हुए अवशेषों को बैग में भरता साथ ही उन्हें नाली में भी बहाता, लेकिन इस पूरे प्रोसेस के दौरान उसके घर का दरवाजा किसी ने नहीं खटखटाया. इस तरह उसने 16 हत्याओं को भी अंजाम दे दिया.हाईकोर्ट ने कहा ये सब कुछ बहुत अजीब लगता है. इन 16 घटनाओं में वो एक बार भी विफल नहीं हुआ. ये पूरा प्रोसेस विश्वास करने योग्य नहीं है. कोर्ट ने आगे कहा, आरोपी के बयान के अनुसार वो बंगला नं. डी5 में हत्याएं करता था, लेकिन वहां फॉरेंसिक जांच में खून के कोई निशान नहीं मिले हैं. हाईकोर्ट ने कहा सीबीआई दोनों दोषी साबित करने में नाकाम साबित हुई. इस केस में सीबीआई ने अच्छी तरह से जांच नहीं की.हाईकोर्ट ने इस केस की जिस तरह से विवेचना की गई है उससे कई सवाल खड़े हो गए हैं. क्या ये मामला सुरेंद्र कोली या मोनिंदर पंढेर पर लगे आरोपों से कहीं आगे का है? सीधे शब्दों में कहें तो क्या ये पूरा कांड अंग व्यापार से जुड़ा हुआ था जिसके पीछे कोई बड़ा और पहुंच वाला रैकेट था. इस गैंग ने बहुत चालाकी से सुरेंद्र कोली और मोनिंदर पंढेर तक पूरे मामले को सीमित कर दिया? इसके साथ ही सुरेंद्र कोली को %नरभक्षी% भी करार दे दिया गया.

पूरा केस क्या था–साल 2006 के आसपास देश की राजधानी दिल्ली से सटे नोएडा के निठारी में बच्चों के गायब होने की घटनाएं हो रही थीं. इसका पर्दाफाश तब हुआ जब 7 मई 2006 को पुलिस के पास एक युवती की गुमशुदगी का मामला आया.

दिब्यांग तथा 80 वर्ष से अधिक मतदाताओं को फॉर्म 12 डी सुविधा के विकल्प की सूचना देना सुनिश्चित करे : एसडीएम समाधिया

विधानसभा क्षेत्र 26 पिछोर के सेक्टर ऑफीसर तथा बीएलओ की बैठक के दौरान दिए आवश्यक निर्देश

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पिछोर (शिवपुरी) जिला कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी के निर्देशन पर विधानसभा क्षेत्र26 पिछोर के समस्त 297 बूथ लेवल ऑफीसर तथा 31सेक्टर ऑफीसर की निर्वाचन संबंधी बैठक सरस्वती शिशु मंदिर पिछोर में की गई। जिसमें पिछोर अनुविभागीय दंडाधिकारी तथा निर्वाचन रिटर्निंग अधिकारी राजीव समाधिया , शिवपुरी से डिप्टी कलेक्टर तथा निर्वाचन एनएलएमटी व्रजेंद्र सिंह यादव, पिछोर निर्वाचन सहायक रिटर्निंग अधिकारी तथा तहसीलदार एस.एस.गुर्जर, पिछोर नायब तहसीलदार ऋषिकांत जैन, निर्वाचन सुपरवाइजर हरिदास त्रिपाठी सहित सेक्टर ऑफीसर तथा सभी बीएलओ उपस्थित थे।जिसमे शिवपुरी डिप्टी कलेक्टर तथा एनएलएमटी वृजेन्द्र सिंह यादव द्वारा सभी बीएलओ को जानकारी देते हुऐ बताया कि 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के सभी मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान

करने की सुविधा के विकल्प को चुनने के लिए निर्धारित फार्म 12 डी का वितरण किया गया तथा 12 डी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए साथ ही इस कार्य को गम्भीरता पूर्ण कराने के लिए सभी को निर्देश दिए गए।पिछोर एसडीएम समाधिया ने सभी सेक्टर ऑफीसर तथा बीएलओ को जानकारी देते बताया गया की 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाता तथा दिव्यागों के आवेदन भरें ,साथ ही तीन प्रतियों में उसकी पावती लें। पिछोर विधानसभा में कुल दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1642 है जबकि 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 2389 है। ऐसे मतदाता जो मतदान केंद्र नहीं पहुंचपायेंगे उनको एक टीम द्वारा घर घर जाकर मतदान कराना जिसकी टीम बनाई जाएगी।सभी बीएलओ से उनकी समस्याएं सुनी और मौके पर उन समस्याओं का निराकारण किया गया।मीटिंग दौरान समस्त बीएलओ को उक्त मतदाताओं के सूचना पत्र एवं फार्म वितरित किए गए। सहायक रिटर्निंग अधिकारी तहसीलदार गुर्जर ने बताया कि मतदाता सूची में दोहरी प्रविष्टि एवं मृत मतदाताओं के नाम ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जावे ।इस दौरान मतदान केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई।

कोलारस से बसपा के टिकिट से दावेदारी कर रहे नवल सिंह को मिल रहा सभी समाजो का भारी समर्थन

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

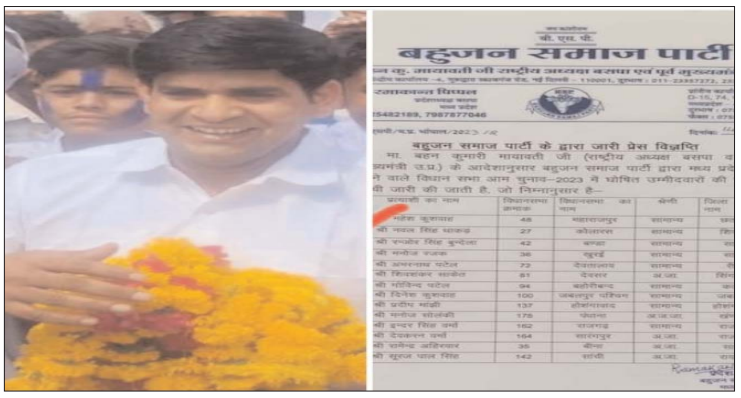

शिवपुरी- विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सभी दावेदार अपनी अपनी दावेदारी मैं कोई कसर नही छोड़ रहे है हर प्रत्याशी अपनी विधानसभा को जीतने के लिए हर कोशिश कर रहा है वही शिवपुरी जिले की कोलारस विधानसभा से बसपा प्रत्याशी नवल सिंह धाकड़ को सभी समाजों का भारी सपोर्ट मिल रहा है और वह अपनी विधानसभा में खुलकर दावेदारी कर रहे हैं आपको बता दें कि जहां एक तरफ कांग्रेस से बैजनाथ यादव चुनावी मैदान में तैयार हैं नहीं बीजेपी ने अभी तक अपना प्रत्याशी घोषित नहीं किया है और बसपा उम्मीदवार अपनी दावेदारी में किसी भी प्रकार की कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं बसपा प्रत्याशी नवल सिंह धाकड़ अपनी विधानसभा क्षेत्र में जमकर तैयारी कर रहे

हैं और लगातार क्षेत्र में दौरे कर रहे हैं कोलारस विधानसभा में धाकड़ समाज के 15000 वोट और बसपा पार्टी के 20000 वोटो के साथ दावेदारी कर रहे नवल सिंह धाकड़ की अन्य समाजों में भी पकड़ है और वह अपने क्षेत्र में काफी सक्रिय रहते हैं इसके अलावा वह जनता से जुड़ी समस्याओं के लिए हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं इसलिए कहीं ना कहीं कोलारस विधानसभा की जनता भी अपने क्षेत्र में ऐसे नेता को पसंद कर रही है जो क्षेत्र की जनता के मुद्दों और समस्याओं पर जनता के साथ खड़े होकर मुकाबला करने के लिए तैयार रहते हैं

शिवपुरी पुलिस की अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही, पुलिस थाना देहात द्वारा कार्यवाही करते हुये हथियार बंद

बदमाश को मय 315 बोर के देशी कट्टे व दो जिन्दा राउण्ड के साथ किया गिरफ्तार ।

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा आगामी चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देशों के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग शिवपुरी के मार्गदर्शन मे थाना देहात द्वारा चलाए जा रहे अवैध मादक पदार्थ

कारोवार, अवैध हथियार, अवैध शराव संवंधी बदमाशों की धरपकड़ हेतु अभियान के पालन में आज दिनांक 16.10.2023 को थाना देहात पर मुखबिर से सूचना मिली की एक व्यक्ति गौशाला के पास अपनी कमर मे अवैध कट्टा खुरसे हुये कोई वारदाद को कारित करने की नियत से घूम रहा है । सूचना मिलते ही थाना देहात पुलिस द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुये मुखबिर के बताये स्थान पर पुलिस टीम को रबाना किया । पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो मुखबिर के बताये हुलिये का एक व्यक्ति दिखा जो पुलिस को आता देख भागने लगा जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा नाम पता पूछने पर अपना नाम आकाश पुत्र परमानंद जोगी उम्र 20 साल निवासी गणेशगली पुरानी शिवपुरी का होना बताया और तलासी ली तो उसके पास से एक 315 बोर का देशी कट्टा एवं दो जिंदा राउण्ड मिले जिन्हे जप्त कर आरोपी के खिलाफ थाना देहात पर धारा 25,27 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया ।

विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपैट का प्रथम रेण्डमाईजेशन आज

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु 17 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनों के प्रथम रेण्डमाईजेशन की कार्यवाही श्वरू 2.0 सॉफ्टवेयर के माध्यम से जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष किया जाना है।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार चौधरी ने समस्त मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को निर्धारित दिनांक, स्थान व समय पर ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी मशीनों के प्रथम रेण्डमाईजेशन की कार्यवाही के लिये उपस्थित रहने के निर्देश दिए है।

आगामी त्योहारों एवं विधानसभा चुनावों के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन मे

जिले मे शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक ली एवं आवश्याक दिशा निर्देश दिये

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

शिवपुरी, ।दिनांक 16.10.2023 को पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह के निर्देशन मे समस्त थाना स्तर पर शांति समिति की मीटिंग बुलाई गई । पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को आगामी त्योहारों एवं चुनावों के चलते क्षेत्र मे शांति बनाये रखने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है । जिसके चलते आज थाना स्तर पर क्षेत्र मे शांति समिति के सदस्यों की मीटिंग ली गयी है । शांति समिति

की मीटिंग मे सभी समाजों के गणमान्य नागरिक नागरिक एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित हुये । इस बैठक में आगामी त्योहारों को शांति एवं सद्?भाव पूर्ण मानये जाने हेतु चर्चा की गयी, जिसके समी लोगों ने अपनी सहमति दी । आगामी त्योहारों नव दुर्गा, दशहरा, दिपावली एवं चुनावों पर क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु चर्चा की गयी । पुलिस द्वारा समस्त आमजन से अपील की है कि आगामी त्योहारों एवं चुनावों मे शांति व्यवस्था बनाये रखें व आपसी मेल जोल व सदभावना के साथ त्योहारों को मनाये । यदि कोई व्यक्त शांति सदभाव को बिगाड़ता है तो उसके खिलाफ शख्त से शख्त कानूनी कार्यवाही की जावेगी

चाचौड़ा विधानसभा में पहली बार हो सकता है चतुर कोणीय चुनाव

योगेश शर्मा राजोरिया
पुष्पांजलि टुडे

चाचौड़ा विधानसभा में हमेशा कांग्रेस और भाजपा के बीच ही चुनाव हुआ है ।लेकिन इस बार दोनों पार्टियों से उपेक्षित हुए पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टियों से बागी होकर अन्य पार्टियों का दामन थामकर चुनाव मैदान में तल ठोककर कांग्रेस एवं भाजपा को मुश्किल में डाल दिया है भाजपा से बागी हुई पूर्व विधायक ममता मीना ने प्रियंका मीणा को भाजपा द्वारा प्रत्याशी बनाए जाने के कारण आम आदमी पार्टी का दामन थामकर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी थी तो कांग्रेस से लक्ष्मण सिंह जी को प्रत्याशी घोषित होने के बाद बल्लू काला पहाड़ उपेक्षा के कारण एवं चंद कार्यकर्ताओं की मनमानी के चलते संभावना व्यक्त की जा रही है कि बीएसपी का दामन थाम कर चुनाव मैदान में उतरने की संभावना व्यक्त की जा रही है मिली जानकारी के अनुसार बल्लू काला पहाड़ बीएसपी पार्टी के प्रदेश स्तर के नेताओं से संपर्क में हैं एवं कांग्रेस के आला नेता भी उन्हें मनाने की लगे हुए हैं संभावना व्यक्त की जा रही है कि आज ही बल्लू काला पहाड़ अपने पत्ते खोल सकते हैं चाचौड़ा चुनाव मैदान में तीन पार्टियां पहले से ही मौजूद है अगर चौथी पार्टी भी चुनाव मैदान में आती है तो कांग्रेस एवं भाजपा को भारी नुकसान होने की संभावना व्यक्त की जा रही है दोनों ही पार्टियों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा दोनों पार्टियों से बागी हुए प्रत्याशियों के पास जमीन से जुड़े कार्यकर्ता है अब देखना यह है कि चाचौड़ा विधानसभा किसके सिर पर जीत का सहारा बांधती है

नगर मधुसूदनगढ़ में नवरात्रि की धूम

रिपोर्टर -प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसुदनगढ़-प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री आदर्श नवदुर्गा शीतला माता मंदिर मधुसूदनगढ़ द्वारा शारदीय नवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है इसमें 5 दिन के लिए बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा अपने अभिनय की प्रस्तुति दी जावेगी एवं इस वर्ष नौ देवियों के 9 स्वरूप रूपी अखंड दीप ज्योति प्रज्युलित की गई है। जो की विशेष आस्था का केंद्र है। शारदीय नवरात्रि के 9 दिन शक्ति साधना के लिए सर्वश्रेष्ठ है, अक्सर लोगो के मन में संसय रहता है कि इन दोनों को नवरात्रि क्यों कहते हैं रात्रि के समय वातावरण शांत हो जाता है माता से

संपर्क साधना दिन के समय से अधिक रात्रि के समय हो सकती है हर कोई आध्यात्मिक निकट जाना चाहता है लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी अनेक कामों में व्यस्त रखती है। कमल पुष्प प्रेमी मां से यही कामना है कि हम सभी को भौतिक मानसिक और आध्यात्मिक सुख के निकट रखें।

आगामी चुनावों व त्योहारों के मद्देनजर शिवपुरी पुलिस क्षेत्र मे शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु शिवपुरी पुलिस ने बीएसएफ के साथ मिलकर निकाला फ्लैग मार्च

आमजन से की शांतिपूर्वक चुनाव कराने एवं त्योहारों को शांति पूर्ण तरीके से मनाने की अपील की

अनिल कुशवाह

पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-आगामी विधान सभा चुनावों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने एवं आगामी त्योहारों मे शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए शिवपुरी पुलिस द्वारा अपनी पूरी तैयारी के साथ शहर मे आज पुलिस बल एवं बीएसएफ बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला है । पुलिस द्वारा लोगों से वार्ता की और भयमुक्त होकर मतदान करने की अपील की । कहा कि अगर कोई व्यक्ति किसी तरह की अफवाह फैलाता है, किसी को डराने- धमकाने या लालच देने की कोशिश करता है तो उसकी सूचना पुलिस को दें । फ्लैग मार्च मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री संजीव मुले, एसडीओपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी, रक्षित निरीक्षक श्री अनिल कवरेती, थाना प्रभारी कोतवाली, थाना प्रभारी देहात, थाना प्रभारी फिजीकल एवं थाना प्रभारी यातायात अपने अपने बल के साथ उपस्थित रहे एवं चुनाव के लिये उपलब्ध हुया बीएसएफ का बल भी फ्लैग मार्च मे सामिल हुआ । फ्लैग मार्च पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर, रोटरी चौराहा, अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड़, माधव चौक होते हुये कमला गंज, बाबू क्वार्टर रोड. होते हुये फिजीकल थाने के सामने से विष्णु मंदिर पहुंचे, इसके बाद नीलघर चौराहा, सुभाष चौक, काली माता मंदिर, झांसी तिराहा, गुरुद्वारा चौराहा, राजेश्वरी रोड़, एमएम हॉस्पिटल होते हुये पुन- पुलिस लाइन मे आकर फ्लैग मार्च का समापन हुआ

मधुसूदनगढ़ अग्रवाल समाज द्वारा समाजवाद के प्रणेता अग्रकुल प्रवर्तक श्री अग्रसेन जी महाराज का 5174 व जन्मदिन अत्यंत हर्षोल्लाह से मनाया गया

रिपोर्टर-प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसूदनगढ़।अग्रवाल समाज द्वारा समाजवाद के प्रणेता अग्रकुल प्रवर्तक श्री अग्रसेन जी महाराज का 5174 व जन्मदिन अत्यंत हर्षोल्लाह से मनाया गया। दो दिन तक चले कार्यक्रम की तैयारी अग्रवाल समाज की सभी महिला पुरुषों द्वारा विगत 15 दिनों से की जा रही थी। कार्यक्रम का भव्य आयोजन आनंद मैरिज गार्डन में किया गया जिसमें बच्चों के लिए चम्मच रेस प्रतियोगिता जिसमें गर्व अग्रवाल, नियोनिका बंसल, वेदिका बंसल विजयी रहे। महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए आयोजित दीप रंगोली प्रतियोगिता जिसमें खुशबू बंसल, तनु अग्रवाल ,जय बंसल विजयी हुई । कार्यक्रम अग्रवाल समाज की महिलाओं एवं पुरुषों के संयुक्त प्रयास से भव्य एवं गरिमामय रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अग्रवाल समाज अध्यक्ष श्री राम गोपाल जी अग्रवाल लटेरी, कार्यकारी अध्यक्ष अग्रवाल समाज श्री मदन मोहन जी गुप्ता, संरक्षक श्री राम प्रसाद जी गर्ग, समाज के वरिष्ठ श्री पुरुषोत्तम जी बंसल नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री कौशलेन्द्र अग्रवाल, अग्रवाल समाज महिला मंडल संरक्षक श्रीमती मीना मंगल, अग्रवाल समाज महिला मंडल अध्यक्ष लटेरी श्रीमती श्यामा देवी अग्रवाल, अग्रवाल समाज महिला मंडल अध्यक्ष मधुसूदनगढ़ श्रीमती मंजू अग्रवाल, अग्रवाल समाज नवयुवक मंडल अध्यक्ष श्री वीरेंद्र अग्रवाल, अखिल

भारतीय अग्रवाल महासभा महिला अध्यक्ष श्रीमति मनीषा मंगल मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन वीरेंद्र अग्रवाल द्वारा किया गया। महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा श्रृंगार 16 श्रृंगार प्रतियोगिता भजन प्रतियोगिता एवं व्यंजनों के स्टॉल का भी आयोजन किया गया । समाज के अध्यक्ष गिरिराज किशोर अग्रवाल , नवयुवक मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र अग्रवाल, मीडिया प्रभारी क्रांति अग्रवाल द्वारा नगर लटेरी के भी स्वजातीय है बंधुओ को जयंती कार्यक्रम में सम्मिलित होने आग्रहपूर्वक आमंत्रण दिया गया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दी, और कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। सभी मंचासीन अतिथियों का अध्यक्ष द्वारा पुष्प हार पगड़ी पहनकर स्वागत किया गया सभी समाज जनों को अग्रवाल समाज के दुपट्टे के द्वारा स्वागत किया गया । समाज की महिलाओं द्वारा घर से दीपक लाकर अग्रसेन महाराज की महा आरती महा आरती की गई । अग्रवाल समाज द्वारा अपने कुल वंश पर आधारित रामायण के पात्रों का फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। जिसमें अन्य बंसल प्रथम, रुद्र अग्रवाल द्वितीय, दक्ष अग्रवाल तृतीय रहे । कार्यक्रम में युवतियों ने नयनाभिराम गणेश वंदना प्रस्तुत की ,वही कपल्स के लिए 1 मिनट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी महिला पुरुषों ने भाग लेकर आयोजकों को प्रोत्साहित किया। जैसा कि समाज पूर्व से ही अपने समानता के सिद्धांतों और अग्रसेन महाराज के समाजवाद के क्रांतिकारी सिद्धांतों पर चल रहा है । समाज में व्याप्त कुछ रिवाज को समय अनुसार परिवर्तित करने समाप्त करने के लिए संगीता गर्ग ने अपने विचार और सुझाव रखें - शादियों उत्सवों गमी आदि अवसरों पर होने वाले भोज में से आइटम संख्या सीमित रखकर भोजन और पैसे का अपव्यय रोकने, पगड़ी रस्म, गमी में बैठने वाली लावन प्रथा को समाप्त करने हेतु आग्रह किया, समाज में दिन प्रतिदिन बुलाबों में बंटने वाली व्यवहार को सीमित कर निम्न मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ने वाले अतिरिक्त बोझ को जो बराबरी और देखा देखी के कारण बढ़ता जा रहा है कम करने का प्रस्ताव रखा। जिस पर सभी समाज जनों ने सहमति जताते हुए जल्दी ही ठोस निर्णय लेने का आश्वासन दिया ।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं से सबका दिल भर गया है : विक्रम मस्ताल शर्मा

बुधनी विधानसभा की ग्राम पंचायत चकल्दी एवं लावापानी की सरपंच ने ज्वाइन की कांग्रेस

सीहोर/बुधनी। भारतीय जनता पार्टी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणाओं से अब सबका दिल भर गया है। इनकी घोषणाएं सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गई है। यही कारण है कि अब जनता भाजपा के साथ में नहीं रहना चाहती है। शिवराज सिंह चौहान बुधनी विधानसभा से 17 वर्षों से अधिक समय से मुख्यमंत्री हैं, लेकिन चुनावी साल में इन्हें सबकी याद आ रही है। बहनों की पहले याद नहीं आई और अब उन्हें 1250 रूपए प्रतिमाह दे रहे हैं। इसी तरह किसान परेशान हैं, युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। ये बातें बुधनी विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने कही। इससे पहले उन्होंने बुधनी विधानसभा की ग्राम पंचायत चकल्दी एवं लावापानी की महिला सरपंचों एवं उनके प्रतिनिधियों को कांग्रेस की सदस्यता दिलाई और उनका कांग्रेस पार्टी में स्वागत किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत चकल्दी एवं लावापानी के

सरपंचों ने वादा किया है कि वे कांग्रेस पार्टी को जिताने में कोई कोर-कसर नहीं छोडेंगे। विक्रम मस्ताल शर्मा 'हनुमानजी' ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री के झूठे वायदों के कारण हर व्यक्ति परेशान है। बुधनी विधानसभा में उन्होंने 17 वर्षों में तो कोई विकास नहीं किया, लेकिन अब उन्हें विकास की याद आ रही है। प्रज्ज्वल बुधनी के तहत निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं, लेकिन वह भी बेहद घटिया काम कराया जा रहा है। जमकर भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी चल रही है। हर तरफ भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी का जाल बिछा हुआ है। उन्होंने कहा कि गांवों में जाकर देखों तो लोगों के जीवन में कोई सुधार नहीं हुआ है। गरीब आज भी गरीब है और भाजपा नेताओं ने कमीशन खाकर अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए धन जमा कर लिया है। उन्होंने कहा कि ये तो अभी शुरूआत है और आने वाले समय में भाजपा की इस लंका को पूरी तरह ढहा दिया जाएगा।

इन्होंने ज्वाइन की कांग्रेस पार्टी

-ग्राम चकल्दी से सरपंच प्रतिनिधि मनोहर बारीवे, ग्राम लावापानी की सुमन बाई बकरियां, शैतान सिंह पटेल, रघुबीर पटेल, बलवीर सिंह पटेल, रफीक पठान, हनीफ खान, विशाल विश्वकर्मा, कपिल चौहान, बनप सिंह पटेल, मुकेश मालवीय सहित अन्य लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

सामाजिक समरसता का आदर्श उदहारण महाराजा अग्रसेन - उमाकान्त शर्मा

उत्तरीय उड़ाकर किया शोभा यात्रा का स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। अग्रवाल समाज के ऊपर माँ लक्ष्मी जी की अनन्त कृपा है और यह सदैव बनी रहे। महाराज अग्रसेन जी ने सभी समाजों के लिए सामाजिक समरसता का जो संदेश दिया है उस पर जितना बोला जाए वह कम है उन्होंने जाने कौन सा मंत्र या वस्तु समाज को दी जिससे देश मे ही नही अपितु सारे संसार में अग्रवाल समाज के परिवारों में संपन्नता छाई रहती है जो कि शोध का विषय भी है। अग्रसेन जी केवल अग्रवाल समाज के ही नही बल्कि संपूर्ण सनातन समाज के प्रवर्तक है। यह बात भारतीय जनता पार्टी के विधायक उमाकांत शर्मा ने रविवार को अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में गिरधारी मंदिर में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम के दौरान कही। उन्होंने संपूर्ण ट्रस्ट के एक एक व्यक्ति को धन्यवाद देते हुए कहा कि पीढ़ियों से वर्षों पुराने ऐतिहासिक भवन को बरकरार बनाए रखने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। हजारों सालों से यह अग्रवाल समाज की श्रद्धा का केंद्र है। एक हजार साल का तो यहाँ शिलालेख उपलब्ध है। अग्रवाल

समाज की धर्मशाला अन्य समाजो के उपयोग के लिए वर्षों से महत्वपूर्ण केंद्र है तथा सनातन हिन्दू समाज की समाजसेवा में भी सबसे आगे है। अनेको मंदिरों में लगे शिला लेख इसके प्रमाण है। में कामना करता हूं कि सम्पूर्ण अग्रवाल समाज विश्व मानवता के कल्याण के लिए सदैव काम करती रहे। इस अवसर पर तरुण मंडल के अध्यक्ष विकास गर्ग ने समिति के लोगो के साथ विधायक शर्मा का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कलश यात्रा में सहभागिता करने वाली बेटियों को भी पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रामप्रकाश गर्ग,राकेश गोयल,महेश गर्ग,प्रह्लाद सिंहल, रामबाबू मित्तल,राजेन्द्र गर्ग,अतुल गोयल,दिनेश चंद्र गर्ग,नितिन गोयल,नवीन मित्तल, अर्पित मित्तल, सुलभ गर्ग,मोहित बंसल,नितिन अग्रवाल,हर्षित सिंहल आदि के साथ सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

नगर मण्डल ने किया शोभायात्रा का स्वागत-अग्रसेन जयंती के अवसर पर नगर की अग्रवाल समाज ने सोमवार को नगर में परंपरा अनुसार शोभायात्रा निकाली। शीतला माता कठाली बाजार से प्रारम्भ हुई इस शोभायात्रा का मुख्य बाजार में भारतीय जनता पार्टी मण्डल द्वारा स्वागत किया गया। शोभायात्रा में विधायक शर्मा ने सनातन संस्कृति अनुसार शामिल अग्रयाल समाज की माता बहिनों एवं पुरूषों का केसरिया पटका पहनाकर सम्मान स्वागत किया। उन्होंने शोभायात्रा में कलश लेकर चल रही छोटी बालिकाओं का भी उत्साहवर्धन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरिबाबू भार्गव,नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, संतोष चौरे,मनोज साईंनाथ, सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वामैया प्राइमरी स्कूल को तालुका स्तरीय गणित-विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी में गौरव.

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

गुजरात। सरस्वती तालुक के वामैया प्राइमरी स्कूल के बाल वैज्ञानिकों ने होलोग्राम 3डी-प्रोजेक्टर के माध्यम से उत्साहपूर्वक अपने काम का प्रतिनिधित्व करके तालुक स्तरीय गणित, विज्ञान और पर्यावरण प्रदर्शनी में तीसरा स्थान हासिल किया। जीसीईआरटी का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जिज्ञासा विकसित करना है। गांधीनगर प्रेरित तालुका स्तरीय गणित-विज्ञान एवं पर्यावरण प्रदर्शनी श्रीमती एल.पी. इसका आयोजन शाह उत्तर बुनियादी विद्यालय, सगोदिया में किया गया। जिसमें वामैया प्राथमिक विद्यालय के बाल वैज्ञानिक परमार राजलबा विक्रमसिंह एवं परमार काजलबा दशरथ सिंह ने विद्यालय के उत्साही एवं नवोन्मेषी शिक्षक श्री दिलीपसिंह गोहिल के मार्गदर्शन में अपना स्वनिर्मित मॉडल होलोग्राम 3डी-प्रोजेक्टर प्रस्तुत किया। विद्यालय प्रबंधन समिति एवं वामैया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कार्य होलोग्राम 3डी प्रोजेक्टर के लिए इस प्रदर्शनी के सेक्शन-5 कम्प्यूटेशनल थिंकिंग, कंप्यूटर आधारित चिंतन प्रक्रिया में तृतीय स्थान प्राप्त कर वामैया गांव एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्राचार्य एवं स्टाफ परिवार द्वारा बाल वैज्ञानिकों को सम्मानित किया गया।

सेठ एमएन हाईस्कूल, पाटन का SVS स्तर के कलाउत्सव में दबदबा

सेठ एम एन हाईस्कूल, पाटन के तीन चमकदार विजेता बाल कलाकारों का जिला स्तर पर जाने के लिए चयन

पाटन ब्यूरो दैनिक पुष्पांजली टुडे

एसएसए सर्व शिक्षा अभियान संगठित कला महोत्सव 2023 के तहत जिला शिक्षणअधिकारी पाटन के नेतृत्व में आयोजित कला महोत्सव का 2023 मुख्य उद्देश्य, उनकी कला के महत्व को बढ़ावा देकर प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक छात्रों की कला प्रतिभा को बढ़ावा देना है। और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विरासत कला, साहित्य और संस्कृति में एक अनूठी पहचान बनाना है। तारीख 16/10/2023 के दिन पाटन एसवीएस स्तर कलौत्सव सेठ वीके भुला हाईस्कूल, पाटन में आयोजित किया गया था। जिसमें, नॉर्थ गुजरात यूथ बोर्ड संचालित सेठ एम एन हाईस्कूल के उभरते हुए बाल कलाकारों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर तीन घटनाओं में पहला नंबर प्राप्त किया है।छात्र 9 का विधार्थी पटेल तक्ष राहुल कुमार विजुअल आर्ट

[चित्रकला] 2 डी प्रतियोगितामें पहला नंबर प्राप्त किया है।छात्र 10 की छात्रा पटेल काव्या किरीटभाई *एक पात्रीयअभिनय में पहला नंबर मिला है।छात्र 10 की बाला पटेल काव्या विशाल भाई ने देसी खिलौना प्रतियोगिता में पहला नंबर प्राप्त किया हैसभी तीन छात्रों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन किया और एसवीएस स्तर पर पहला नंबर प्राप्त करके स्कूल और स्कूल परिवार के नाम को उजाला है।* सभी तीन छात्र अब जिला स्तर में भाग लेंगे। उत्तरी गुजरात युवा बोर्ड के माननीय अध्यक्ष, श्री डॉ जे के पटेल, माननीय मंत्री श्री मनसुखभाई पटेल, संचालक मंडल के सभी सभ्यो और स्कूल के प्रिंसिपल,धनराज भाई ठक्कर, सभी तीन बाल कलाकार पटेल तक्ष, पटेल काव्या, पटेल काव्या विशालभाई और स्कूल के शिक्षकों, बिनाबेन, गिताबेन परमार , मितालीबेन,लीलाबेन विसात ने आने वाले जिले, क्षेत्र या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में बहुत बधाई दी और स्कूल के गौरव के रूप में शुभाशीष दिए। सभी विजेता छात्रों और संरक्षक शिक्षक को बधाई।

कांग्रेस प्रत्याशी राहुल भदौरिया डॉक्टर हनुमान दंदरौआ धाम की शरण में किया गया भव्य स्वागत

दैनिक पुष्पांजली टुड
` संवाददाता मालनपुर

मालनपुर ग्वालियर से मेहगांव 70 किलोमीटर की दूरी 7 घंटे में हुई पूरी जगह-जगह हुआ स्वागत कांग्रेस का टिकट मिलने पर जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ग्वालियर से लेकर मेहगांव तक जगह जगह भाव स्वागत किया कांग्रेस ने राहुल भदौरिया विधानसभा में मेहगांव से रण में बैटिंग करने के लिए उतार दिया है स्वागत में उमड़ा जनसेलाव भदोरिया ने कहा लोगों के आशीर्वाद से हम विधानसभा में जाएंगे तो अपने क्षेत्र की आवाज अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई डगर पर ले जाएंगे भिंड जिले की मेहगांव विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी राहुल सिंह भदोरिया को बनाए जाने के बाद मंगलवार को वे अपने काफिले के साथ मेहगांव विधानसभा में स्थित डॉक्टर हनुमान दंदरौआ धाम मंदिर उनसे आशीर्वाद लेने पहुंचे है । इस दौरान उन्हें 70 किलोमीटर की दूरी 7 घंटे में पूरी हुई । उनका ग्वालियर डी डी नगर, मालनपुर बरेठा टोल प्लाजा ,हनुमान चौराहा,जिसमें मालनपुर हरिराम की कुईया पर वीर सिंह सेंगर एवं अंकुर सिंह सेंगर उर्फ शिवम जोरदार स्वागत किया सर्वा, बारा हेड पेड़ा, छीमका, बजाज एजेंसी गोहद चौराहा,गिगरिखी, बहुआ, मड़ाखेरा, खेरियाबाग, बरहद, मेहगांव जैल रोड़, साति नगर, टीडीएस गार्डन, मुरैना चौराह, जनपद के सामने, भिण्ड चौराह, गल्ला मंडी, पुरानी एसबीआई बैंक, हॉस्पिटल, हाट बाजार, लाल परी होटल, कुमार, कटमा, गाता, गितौर, अमायन मोड़, चिरौल आदि पर नागरिकों ने फूल माला पहनकर चुनाव में विजयश्री दिलाने का आशीर्वाद दिया है। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी राहुल भदौरिया ने सभी से पैर छूकर आशीर्वाद लिया और देर शाम डॉक्टर हनुमान दंदरौआ धाम मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने डॉक्टर हनुमान सरकार से आशीर्वाद प्राप्त किया है। इस दौरान महंत श्री महामंडलेश्वर 1008 रामदास जी महाराज ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया है। कांग्रेस प्रत्याशी राहुल सिंह भदोरिया ने बताया है। कि मैं पिछले 10 वर्षों से लगातार क्षेत्र में सतत जनसंपर्क कर समाज सेवा का कार्य कर रहा हूं । और यह कार्य मेरा हमेशा जारी रहेगा क्षेत्र की जन समस्याओं के निदान के लिए हमेशा क्षेत्र में रहना मुझे पसंद है। इस दौरान उनका स्वागत करने वालों में डॉ परमाल सिंह तोमर धर्मेंद्र सिंह उर्फ संजू तोमर, संग्राम सिंह तोमर, कुंदन सिंह तोमर, बृजभूषण सिंह कुशवाह, आसाराम भदौरिया, चरण सिंह भदोरिया, पप्पू रामनिवास गुर्जर, सरदार स्वरूप सिंह सरदार जसवीर सिंह सरदार बब्बू लखपत सिंह तोमर रिंकू तोमर भानु प्रताप सिंह जादौन छोटू तोमर रविंद्र बराड़ पहलवान सिंह राजावत इत्यादि हैं।

सीरवी समाज भवन इलेक्ट्रॉनिक सिटी के पदाधिकारियों ने बलेपेट वडेर मैं पत्रिका देकर निमंत्रण दिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

बेंगलूरू। सीरवी समाज कर्नाटक बलेपेट वडेर में शारदीय नवरात्र का कलश स्थापन किया गया। कथा वाचक संत रामप्रकाश महाराज द्वारा वेद मंत्रो के साथ पूजा एवं पाठ किए। उसके बाद श्रीमाल कथा का श्रवण किया। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक सीटी नवनिर्मित समाज भवन उद्घाटन समारोह की पत्रिका देने हेतु इलेक्ट्रॉनिक सीटी वडेर के पदाधिकारी अध्यक्ष मोतीलाल मोगरेचा , पूर्व अध्यक्ष नाथूराम परिहार, उपाध्यक्ष रामलाल हाम्ब?, गोपाराम परिहारिया, ओमप्रकाश पंवार, देवाराम सोलंकी ने पत्रिका देकर निमंत्रण दिया। इस अवसर पर बलेपेट बडेर के अध्यक्ष हरिराम गेहलोत, उपाध्यक्ष अन्नाराम परिहारिया, कोषाध्यक्ष मोतीराम लचेटा, सह-सचिव भंवरलाल गेहलोत एवं एस एच आर लेआट वडेर के अध्यक्ष फाऊलाल परिहारिया मौजूद रहे। वडेर के अध्यक्ष हरीराम गेहलोत ने बताया की रात्री में गरबा का आयोजन किया जा रहा है। गुजराती गीतों के साथ गरबा डांस का लोगों ने जमकर लुफ्त उठाया। माता रानी का पूजन और आरती वंदन के बाद गरबा की धुनों पर क्या बच्चें क्या बड़े, सभी जमकर धिरके। बड़ी संख्या मै लोगों ने गुजराती राजस्थानी फैसी ड्रेस की वेशभूषा में परिवार सहित गरबा रास में हिस्सा लिया

भाजपा के पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया ने पार्टी से दिया त्यागपत्र

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे
भाजपा को लग रहे हैं, क्षटके पर क्षटका
जिले के एक और पूर्व विधायक ने दिया त्यागपत्र

भिण्ड । जिले में भारतीय जनता पार्टी को लगातार क्षटके लग रहे हैं जिनमें दो बड़े क्षटके लग चुके हैं एक कई बार के विधायक और एक बार भिण्ड नगर पालिका अध्यक्ष रहे रसाल सिंह ने पार्टी छोड़ बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए और लहार विधानसभा क्षेत्र से बसपा से चुनाव लड़ेंगे,तो वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता अटेर से दो बार विधायक रहे मुन्ना सिंह भदौरिया ने भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा को त्यागपत्र भेजकर पार्टी को अलविदा कह दिया है। श्री भदौरिया द्वारा दिया त्यागपत्र हो रहा है जमकर वायरल चर्चा हैं,कि वह जल्द ही किसी दूसरी पार्टी में शामिल होकर अटेर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव लड़ सकते हैं । जिले के इन कई बार के विधायक रहे दोनो कद्दावर नेताओं से कही न कहीं भाजपा को बड़ा क्षटका लगा है और इसका खामियाजा भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में बड़े पैमाने पर भुगतना पड़ सकता है।

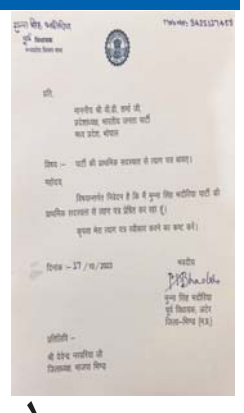

आई माता कल्याण बोर्ड बनने पर सीरवी समाज में छाई खुशियां

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

पाली । राजस्थान सरकार से खारडिया सीरवी समाज द्वारा लंबे समय से सामाजिक कल्याण बोर्ड के लिए मांग की जा रही थी जिसमें वर्तमान सरकार द्वारा उन्हें आई माता कल्याण बोर्ड का गठन कर सरकार ने समाज बंधुओ को बोर्ड दिया जिसके लिए समाज के कई कार्यकर्ताओं द्वारा सरकार को बार-बार बोर्ड के लिए ज्ञापन भी दिया गया और अंततः राजस्थान सरकार द्वारा खारडिया सीरवी समाज का भी एक बोर्ड आई माता कल्याण बोर्ड बनाया गया राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव भुराराम सीरवी ने मुख्य भूमिका निभाई साथ ही सक्रिय रूप से राष्ट्रीय सीरवी किसान सेवा समिति के उपाध्यक्ष महेंद्र चौधरी अध्यक्ष सुरेश चौधरी सेवा दल से प्रकाश चौधरी पूर्व प्रतिपक्ष नेता मंगलाराम जी और पुनाराम दुर्गाराम नवयुक मण्डल से दिनेश जी और समाज के कई सक्रिय सदस्यों ने सभी संबंधित संस्थान से लेटरहेड पत्र एकत्रित किए समाज के अगुवाई कर्ताओ का भरपुर सहयोग प्राप्त हुआ और कई ज्ञापन दिये अन्तत मुख्यमंत्री राजस्थान अशोक गहलोत ने इस बात को स्वीकार कर बोर्ड बनाकर समाज को बहुत बडा सम्मानजनक संदेश दिया इससे समाज की कुरीतियां खत्म होगी तथा शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा और समाज में कहीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सर्वे करवाया जाएगा इससे खारड़िया सीरवी समाज के कई समाज बंधुओ द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को धन्यवाद दिया गया

भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह निक्की भैया ने ली बैठक

भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह निक्की भैया ने ली बैठक

रिपोर्टर -प्रतीश अग्रवाल
पुष्पांजलि टुडे

मधुसूदनगढ़ आज भाजपा कार्यालय मधुसूदनगढ़ में भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री प्रबल प्रताप सिंह निक्की भैया ने मधुसूदनगढ़ नगर की शक्ति केंद्रों के सम्मेलन मैं मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया । निक्की भैया ने मधुसूदनगढ़ नगर के दोनों शक्ति केंद्रों की बैठक ली इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता पुरुषोत्तम जी सोनी सतनारायण जी मंगल सत्यपाल सिंह , कृष्णमुरारी सोनी ,बृजेश कुमार बंसल, रामस्वरूप शर्मा, निरंजन प्रजापति ,महेंद्र सोंधिया, दौलत सिलावट, रामचरण कुशवाहा, राहुल चौकसे , लक्ष्मण सिलावट,गजराज सिंह पूर्व सरपंच, हार्वेस साहू, सूर्य प्रकाश व्यास, घनश्याम जोगी ,दीपक अग्रवाल भारत सिंह सौध्या ,पवन जोशी ,डॉक्टर पीयूष सरकार, हेमंत सोनी, बलवंत सिंह राजपूत गोपाल पालीवाल राधे पालीवाल, विशाल शर्मा, डॉक्टर प्रजापति,

थाना कोटर पुलिस की बड़ी सफलता शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाले आरोपी को 24 घंटा के अंदर किया गया गिरफ्तार

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

श्री आशुतोष गुप्ता पुलिस अधीक्षक सतना के कुशल निर्देशन एवं विजय सिंह पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सतना के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोटर उप निरीक्षक रविंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में मिली कामयाबी

दिनांक 16 10 2023 को फरियादी मीना चौधरी पति राजेश चौधरी उम्र 32 वर्ष निवासी सोहावल थाना सिविल लाइन जिला सतना की थाना आकर मौखिक रिपोर्ट किया कि करीब 2 वर्ष पूर्व संदीप चौधरी उर्फ राहुल निवासी कोटर से मेरे जान पहचान फेसबुक के माध्यम से हुई थी जिसके बाद हम दोनों में फोन से बात होने लगी फिर संदीप ने मुझसे शादी करने को कहा तब मैं संदीप के घर आता वह उससे मिलती शादी करने की बात कह कर संदीप द्वारा कई बार

मेरे साथ गलत काम किया वह दिनांक 14 10 23 को फिर जब मैं संदीप के घर मिलने गई तो वह मेरे साथ मारपीट करने लगा वह कहने लगा कि मैं तुमसे शादी नहीं करूंगा और अगर दोबारा यहां आई तो जान से खत्म कर दूंगा पीड़िता के रिपोर्ट पर थाना में अपराध धारा 376(2)(एन) ,506 के तहत मुकदमा पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया वह आरोपी संदीप की पता तलाश कर की गई एवं कोटर पुलिस की सक्रियता व वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में 24 घंटा के अंदर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेज दिया गयाआरोपी संदीप चौधरी उर्फ राहुल पिता लालू चौधरी उम्र निवासी कोटा नई बस्ती वार्ड क्रमांक 14 सराहनी भूमिका थाना प्रभारी कोटर उप निरीक्षक रविंद्र द्विवेदी कार्यवाहक उप निरीक्षक बृजेंद्र सिंह तोमर सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र चौबे सहायक उप निरीक्षक राम जी अमन रावत प्रधान आरक्षक बाबू सिंह यादव मुकेश माझी देवेंद्र सेन रक्षक विपिन द्विवेदी रक्षक धीरज यादव महिला **रक्षण ज्योति धाकड़**

संपादकीय

आतंकवाद की परिभाषा

संयुक्त राष्ट्र अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। संयुक्त राष्ट्र आज युद्ध रोकने में सक्षम नहीं है। वह एक ऐसी कागजी संस्था बनकर रह गई है जो केवल दुनिया भर में कराह रही मानवता पर चिंता जताते हुए कागजी बयान जारी करती रहती है। वैश्विक शक्तियों के हाथ खिलौना बनी इस संस्था का कोई फायदा नहीं है। आतंकवाद की न तो दो परिभाषाएं हो सकती हैं और न ही दोहरे मापदंड। समूचे विश्व को यह समझ लेना होगा कि आखिर वह कौन सी मानसिकता है जो विश्व को शांत नहीं रहने देना चाहती। प्रथम विश्व युद्ध के बाद 'लीग ऑफ नेशन्स' की कार्यशैली की असफलता के बाद सारी दुनिया ने महसूस किया कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति, प्रसार और सुरक्षा की नीति तभी सफल हो सकती है जब सम्पूर्ण विश्व अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर खुद को एक ईकाई समझकर अपनी सोच को विकसित करे। आज एक तरफ रूस–यूक्रेन युद्ध चल रहा है तो दूसरी तरफ इजरायल और फिलिस्तीन में घमासान चल रहा है। मौतों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों और महिलाओं से भी क्रूरता की हदें पार की जा रही हैं। लाखों लोग घरबार छोड़ने को मजबूर हैं लेकिन दुनिया अपने अनुसार आतंकवाद की परिभाषा गढ़ रही है। अर्जेंटीना की चे ग्वेरा की दो मशहूर किताबों के कारण उन्हें क्रांतिकारी लेखक माना जाता है लेकिन दुनियाभर के लोग उन्हें आतंकवादी भी मानते हैं। जॉर्ज ऑरवेल ने भी कई किताबें लिखीं लेकिन उन्हें भी कुछ लोग आतंकवादी मानते हैं। दोनों ने ही अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए हिंसक साधनों का उपयोग करने का समर्थन किया। आज भी आतंकवाद के मुद्दे पर दुनिया में कोई एक मत नहीं। सवाल यह है कि ऐसा क्यों है। संयुक्त राष्ट्र अब तक आतंकवाद की स्वीकार्य परिभाषा तय नहीं कर पाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पी–20 के सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए इस मुद्दे पर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। आतंकवाद को मानवता के विरुद्ध करार देते हुए इस बात पर दुख व्यक्त किया है कि अभी तक संयुक्त राष्ट्र में आतकंवाद की परिभाषा तय नहीं हो सकी है। इसका फायदा उन लोगों को हो रहा है जो आतंकवाद को पाल रहे हैं। इजराइल–हमास युद्ध का जिक्र किए बिना प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुटता जरूरी है। संघर्षों और टकराव से किसी का फायदा नहीं होने वाला। सच तो यह है कि भारत आतंकवाद से सर्वाधिक पीड़ित देश रहा है। कई वर्षों तक हम दुनिया को चीख–चीख कर बताते रहे लेकिन अमेरिका और अन्य देश आतंकवाद को भारत का आंतरिक मामला या दो देशों की दुश्मनी मानकर नजरअंदाज करते रहे। अमेरिका ने एक की तरह से किए गए अपराध को दो अलग–अलग नाम दिए। आतंकवाद का एहसास अमेरिका को 9ध्11 हमले के बाद ही हुआ। तब भी उसने युद्ध अनुमाद में बदला लेने के लिए अफगानिस्तान पर हमला बोला और आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में उस पाकिस्तान को अपना साथी बनाया जो हमेशा से ही आतंकवाद की खेती करता रहा है। आतंकवाद एक ऐसी विचारधारा है जो अपनी स्वार्थसिद्धि और राजनीतिक उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हर प्रकार की शक्ति तथा अस्त्र–शस्त्रों के प्रयोग करने में विश्वास रखती है। अस्त्र–शस्त्रों का ऐसा घृणित प्रयोग प्रायः विरोधी वर्ग, समुदाय, सम्प्रदाय अथवा राष्ट्र विशेष को गैर–कानूनी ढंग से डराने, धमकाने, जान से मार देने, हिंसा के माध्यम से सरकार को गिराने तथा शासन तंत्रों पर अपना प्रभुत्व जमाने के उद्देश्य से किया जाता है। आतंकवाद के आज कई स्वरूप हैं। आतंकवादियों के पास अत्याधुनिक मारक हथियार, यातायात तथा संचार के साधन उपलब्ध हैं। इजराइल की ताकतवर एजैंसी मोसार भी हमास के हमलों को रोकने में विफल साबित हुई। कई देश आज आतंकवादी संगठनों को हथियार और प्रशिक्षण दे रहे हैं। विकासशील राष्ट्रों में उत्पन्न जातीय ध्ाार्मिक विभेद और पृथकतावादी ताकतों ने आतंकवाद की छाया को और अधिक गहरा बना दिया है। नशीले पदार्थों के अवैध धंधों ने भी आतंकवाद को पालने का काम किया है। दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो दूसरे देशों में अस्थिरता फैलाने के लिए आतंकवादियों को फंड्डंग करते हैं। आतंकवाद का एक रूप मानव बम भी है। यह एक ऐसा हथियार है जिसकी काट अब तक विश्व की धकिसी भी सुरक्षा एजैंसी, सरकार और सेना के पास नहीं है। मरने और मारने का संकल्प लिए विस्फोटकों से लैस कोई भी युवक या युवती एक बटन दबाकर विस्फोट कर देता है जिसमें उसकी खुद की जान तो जाती है और साथ में निर्दोष लोग भी मारे जाते हैं। आज भी दुनिया में कितने मानव बम घूम रहे हैं। कोई अनुमान नहीं लगा सकता। आज इस्लामिक आतंकवाद बहुत खतरनाक हो चुका है। इस्लामी विचारधारा का जुनून इस सीमा तक सवार हो चुका है कि यह मरने मारने के लिए तैयार हो जाते हैं। इस संघर्ष को वे जेहाद कहते हैं और जेहादी हंसते–खेलते शहरों को कब्रगाह बनाने में परहेज नहीं करते। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए एक परिभाषा और एक मानदंड होना बहुत जरूरी है। अगर आज भी पूरी दुनिया एकजुट न हुई तो फिर दुनिया का नक्शा बदलते समय नहीं लगेगा।

शिवसेनाः टूट-फूट और दल-बदल

आदित्य नारायण

सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि विध ानसभा के अध्यक्ष को देश की सबसे बड़ी अदालत के निर्देशों के अनुसार विधायकों के मामले का फैसला एक निश्चित समय सीमा में करना चाहिए वरना फिर स्वयं न्यायालय को सीमा निर्धारित करनी पड़ेगी, बहुत मायने रखता है।

महाराष्ट्र विधानसभा के शिवसेना विधायकों का लगभग डेढ़ साल पहले अपने मूल दल से अलग होकर विधानसभा के भीतर पृथक शिवसेना समूह के गठन करने का मामला 'दल–बदल' कानून के तहत विधायिका और न्यायपालिका के बीच लटका पड़ा है, वह स्वयं में काफी विस्मयकारी व रोचक है। विधायकों द्वारा दल–बदल कर नया दल बनाने को मान्यता विधानसभा के अदर विधानसभा अध्यक्ष ही देते हैं, अतः शिवसेना विधायकों का मामला उन्ही के 'न्यायिक' अधिकारों के तहत आता है परन्तु विधानसभा अध्यक्ष इस मामले को जिस तरह से लगातार टाल रहे हैं उसके राजनैतिक अर्थ निकालने के साथ ही न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े सवाल भी उठ रहे हैं। महाराष्ट्र के वर्तमान मुख्यमन्त्री एकनाथ शिन्दे शिवसेना से टूट कर अलग हुए गुट के ही नेता हैं। इससे पहले वह श्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता वाली शिवसेना पार्टी के ही सदस्य थे। मगर उनके नेतृत्व में शिवसेना में जो टूट हुई उसकी वजह से उन्ही के नेता श्री उद्धव ठाकरे की सरकार गिर गई थी क्योंकि श्री ठाकरे की शिवसेना के अधिसंख्य विधायक श्री शिन्दे के साथ आ गये थे। मगर यह टूट दो किश्तों में हुई थी। प्रारम्भ में शिवसेना के 16 विधायकों ने ही पार्टी से अलग होने का ऐलान किया था बाद में उनके साथ और विधायक भी आ गये थे। ठाकरे सरकार को उस समय विधानसभा में विश्वासमत प्राप्त करना था परन्तु उन्होंने विश्वासमत का सामना करने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था और इस प्रकार महाराष्ट्र की श्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में बनी तीन दलों शिवसेना, कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस की महाअघाड़ी सरकार धराशायी हो गई थी। सवाल यह पैदा हो रहा है कि श्री शिन्दे समेत जिन 16 विध ायकों ने विधानसभा के भीतर उस समय के शिवसेना के मुख्य सचेतक के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए जो कार्रवाई की थी उन पर विधानसभा अध्यक्ष का फैसला क्या रहता है। विधानसभा अध्यक्ष श्री राहुल नार्वेकर के सामने यह सवाल सर्वोच्च न्यायालय ने ही रखा हुआ है कि वे इन विधायकों की सदस्यता के बारे में अपना फैसला जल्दी से जल्दी दें और एक समय सीमा निर्धारित करें। इससे पहले सर्वोच्च न्यायालय के सामने जब यह मामला उद्धव ठाकरे शिवसेना एक याचिका के माध्यम से लाई थी तो उसने स्पष्ट आदेश दे दिया था कि इस बारे में विधानसभा अध्यक्ष को ही अधिकार है और वह ही इसका फैसला करेंगे। मगर राहुल नार्वेकर न जाने किस बात का इन्तजार कर रहे हैं और मामले को आगे टालते ही जा रहे हैं और अपने पक्ष में दलील दे रहे हैं कि जल्दी में किया गया न्याय उसे दफनाने के समान होता है (जस्टिस हरीड जस्टिस बरीड। दरअसल वह विधायकों के दल–बदल करने के मामले में मिले न्यायिक अधिकारों का इस तरह विस्तार करना चाहते हैं कि मामला इस हद तक न पहुंच जाये जिससे मौजूदा शिन्दे सरकार पर ही खतरे के बादल मंडराने लगे। ऐसा राज्य के विपक्षी दलों का विचार है। महाराष्ट्र में भी अगले साल ही लोकसभा चुनावों के बाद विध ानसभा चुनाव होने हैं। वैसे राहुल नार्वेकर भी एक लम्बे अर्से तक शिवसेना में रहे हैं और भाजपा में वह बाद में आये। जिस समय महाराष्ट्र में यह दल–बदल और शिवसेना टूट–फूट खेला चल रहा था तो विधानसभा में अध्यक्ष के पद पर कोई नहीं था और उपाध्यक्ष से ही काम चलाया जा रहा था। परन्तु श्री नार्वेकर की टालमटोल की रणनीति की सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी आलोचना करते हुए टिप्पणी की है कि यदि वह सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश की अनदेखी करते हैं तो फिर उसे स्वयं हस्तक्षेप करना पड़ेगा क्योंकि दल–बदल मामले की सुनवाई का मामला विधानसभा के भीतर की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होता है। सर्वोच्च न्यायालय का यह कहना कि विधानसभा के अध्यक्ष को देश की सबसे बड़ी अदालत के निर्देशों के अनुसार विधायकों के मामले का फैसला एक निश्चित समय सीमा में करना चाहिए वरना फिर स्वयं न्यायालय को सीमा निध ारित करनी पड़ेगी, बहुत मायने रखता है। भारत के संविधान में चुने हुए सर्वोच्च सदनों जैसे विधानसभा या लोकसभा के अध्यक्षों को अपने–अपने सदनों के संरक्षक का दर्जा प्राप्त होता है और इनके सदस्यों के मामले में न्यायिक अधिकार भी प्राप्त होते हैं जिनमें न्यायालय हस्तक्षेप नहीं कर सकता। परन्तु महाराष्ट्र विधानसभा में शिवसेना की टूट–फूट को लेकर जो कुछ भी हुआ उसमे तत्कालीन राज्यपाल से लेकर सदन के पीठासीन अधिकारी भी शामिल हो गये थे। इस बारे में राज्यपाल की भूमिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने पहले बहुत तीखी टिप्पणी की थी और कहा था कि उन्हें राजनैतिक दलों की भीतरी राजनीति में शामिल नहीं होना चाहिए था। लेकिन अब देखना यह होगा कि राहुल नार्वेकर सर्वोच्च न्यायालय की ताजा टिप्पणी को किस प्रकार से लेते हैं और अध्यक्ष के रूप में अपनी न्यायिक भूमिका किस प्रकार निभाते हैं। इस मामले की अगली सुनवाई अब 17 अक्तूबर को सर्वोच्च न्यायालय में होनी है। वैसे पहली नजर में यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि किसी दल से अलग होने वाले विधायकों की संख्या तीन–चौथाई से कम होती है तो उनकी सदस्यता दल–बदल कानून के तहत समाप्त हो जानी चाहिए। मगर महाराष्ट्र में यह काम दो किश्तों में हुआ और इस प्रकार हुआ कि विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले ही खुद मुख्यमन्त्री ने इस्तीफा दे दिया। इसके बावजूद सवाल संवैधानिक शुचिता का तो बनता ही है।

पाँच राज्यों के चुनाव में जनपरीक्षा

प्रेम शर्मा

जनता सरकार को लेकर तमाम तरह के अरोप लगाती रही है। कभी महंगाई तो कभी बेरोजगारी, कभी भ्रष्टाचार, कभी विकास का रोना आम वोटर का हमेशा से रवैया रहा है। इसके बावजूद जब उसे पॉच सालों के बाद मौका मिलने पर अपने पंसद एवं जन आकांक्षाओं को समझने वाली सरकार को चुनने की जगह अमूनन वह क्षेत्रवाद, जातिवाद, परिवारवाद या फिर धर्मवााद के सबसे बड़े पाखण्ड के सामने दाव खाकर वही गल्ती कर बैठती है जिससे उसे फिर पॉच वर्ष तक सरकार को कोसने के अलावा कुछ हासिल नही हो पता। ऐसा नही है कि बेरोजगारी, महंगाई और कछुआ गति के विकास से केवल भाजपा शासित राज्य की जनता परेशान है बल्कि गैर भाजपा शासित राज्यों का भी यही हाल है। हालाकि 2024 के आम चुनाव से पहले बीजेपी और विपक्ष के लिए इन पांच राज्यों के चुनाव उनकी चुनावी रणनीतियों की परख तो होंगे ही, साथ ही जनता के मूड की झलक भी देखी जा सकेगी। जानकार यह भी मानते हैं कि विधानसभा और लोकसभा चुनाव को एक ही तराजू में नहीं तोला जा सकता है। विधानसभा चुनाव में स्थानीय मुद्दे अहम होते हैं, वहीं लोकसभा चुनाव में जनता राष्ट्रीय परिदृश्य को देखते हुए वोट देती है। यह तो तय है कि सेमीफाइनल में जो जीतेगा, वह पूरे आत्मविश्वास के साथ आम चुनाव में आएगा। इन चुनावों के नतीजों से पक्ष और विपक्ष की रणनीति पर बहुत असर पड़ेगा। वैसे देखा जाए तो इन पॉच राज्यों की कुल 676 सीटों में से सबसे ज्यादा 285 सीटें कांग्रेस के पास थीं। हालांकि, उसकी सीटों की संख्या में 20 सीटों की गिरावट आई है। बसपा की सीटें भी 10 से घटकर चार रह गईं। वहीं, भाजपा की सीटें 199 से बढ़कर 214 हो गईं। इसी तरह 2018 में 88 सीट जीतने वाली टीआरएस की सीटें बढ़कर 101 हो गईं तो एमएनएफ सीटें 26 से बढ़कर 28 हो गईं हैं। इसके बावजूद देखा जाए तो इन राज्यों में चुनाव के प्रति जनता का कोई उत्साह नही दिख रहा है। ऐसे में अगर हम यह कहे कि इन राज्यों में जनता नही बल्कि राजनैतिक दल चुनाव लड़ रहे है तो कोई अतिश्योक्ति नही है। यही नही एक बॉत भारत के लोकतं में और सामने आई है कि वर्ष 2014 के बाद से भाजपा के दिग्गज एवं चमत्कारी चेहरा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की चुनाव व्यवस्था को चेहरे पर आधारित कर दिया है। एक चेहरे की बदौलत सरकार बनाने का अभिनव प्रयोग प्रध ानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही देखा गया है। लोगों को याद होगा कि 2014 और 2019 में भाजपा की टिकट से ऐसे तमाम सांसद सदन पहुचे जो वास्तव में ग्राम पंचायत के चुनाव न जीत पातें। वैसे तो पांच राज्यों छत्तीसगढ़, मिजोरम, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना के चुनावों को लोकसभा चुनावों से पहले सेमीफाइनल के रूप में मानने की प्रवृत्ति है, लेकिन ऐसा नही है क्योंकि अधिकांश उनकी आबादी प्रमुख देशों की प्रतिद्वंद्वी है और उनकी विशिष्ट चुनावी चिंताएँ हैं। चुनावों के इस विशेष चक्र में जो बात अलग है, वह उनमें से तीन में भारतीय जनता पार्टी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बीच मुकाबले की बड़े पैमाने पर धुवीय प्रकृति है, जिसमें क्षेत्रीय दल केवल मिजोरम और तेलंगाना में महत्वपूर्ण हैं। बड़ी हिंदी भाषी आबादी वाले सभी तीन उत्तर–मध्य भारतीय राज्यों में, भाजपा ने केंद्र सरकार की लोकप्रियता को भुनाने और अपनी निर्भीक हिंदुत्व विचारधारा के लिए समर्थन बढ़ाने की कोशिश की है। कांग्रेस जाति जनगणना का वादा करके और कल्याणकारी उपायों को लागू करने के अपने रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करके, या प्रतिबद्ध गारंटियों की सूची के माध्यम से इसे बढ़ाना चाहती है। राजस्थान में, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपनी सरकार के कल्याणकारी उपायों के कारण लोकप्रिय बने हुए हैं, लेकिन उनके विधायकों को उतना आत्मविश्वास हासिल नहीं है, जिससे उनकी पार्टी के लिए सत्ता बरकरार रखने का काम जटिल हो गया है, भले ही गुटबाजी का संकट फिलहाल शांत हो गया हो। मध्य प्रदेश में, मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने 18 साल बिताए हैं और अर्थव्यवस्था और सामाजिक भेदभाव पर सरकार के प्रदर्शन से संबंधित मुद्दों पर सत्ता विरोधी लहर का सामना कर रहे हैं, लेकिन राज्य में हिंदुत्व विचारधारा के लिए उपजाऊ जमीन ने भाजपा को एक बड़ा भंडार प्रदान किया है। प्रतिबद्ध मतदाताओं ने इसे मैदान में बनाए रखा है।छत्तीसगढ़ में, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस पार्टी के भीतर असंतोष को रोकने में कामयाब रहे हैं और अपनी सरकार के कल्याण रिकॉर्ड कृषि ऋण माफी, फसलों और लघु वन उपज के लिए समर्थन मूल्य में वृद्धि के अलावा मतदाताओं को लुभाने की भी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन बीजेपी ने फिर से मुकाबला करीबी बनाए रखने की धमकी दी है. भारत जोड़ो यात्रा और आंतरिक चुनावों के बाद पुनर्जीवित कांग्रेस का मानना है कि उसके पास इन तीन राज्यों में बेहतर वित्त पोषित और अधिक साधन संपन्न भाजपा से मुकाबला करने के लिए संगठनात्मक साध ान हैं और उसका प्रदर्शन 2024 के चुनावों को प्रभावी ढंग से लड़ने की उसकी क्षमता निर्धारित कर सकता है। तेलंगाना में, कांग्रेस का पुनरुत्थान अधिक स्पष्ट हुआ है, खासकर कर्नाटक में उसकी जीत के बाद। सबसे पुरानी पार्टी अब सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति को कड़ी टक्कर देने की उम्मीद कर रही है, क्योंकि भाजपा को बिगाड़ने वाले की भूमिका में धकेल दिया गया है। जोरम पीपल्स मूवमेंट के उद्भव ने मिजोरम में समीकरण बदल दिए हैं, पारंपरिक रूप से दो–दलीय प्रणाली में त्रिकोणीय लड़ाई का वादा किया गया है, लेकिन सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट के मुख्यमंत्री जोरमथांगा को उम्मीद है कि मणिपुर की स्थिति और उनकी सरकार की स्थिति में सुधार होगा। उनकी पार्टी का पक्ष लें ये चुनाव कोई सेमीफाइनल नहीं हैं, बल्कि मैदान में उतरी दो राष्ट्रीय पार्टियों के बीच दक्षता प्रदर्शन है।वैसे तो मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना न केवल मूल्यवान प्रांत हैंय उनके नतीजे 2024 के आम चुनाव में राजनीतिक गति को गहराई से प्रभावित कर सकते हैं। हालाँकि, यदि कोई दावा करता है कि 2023 और 2024 अलग–अलग हो सकते हैं, तो परिकल्पना अभी भी प्रमाण का इंतजार कर रही है। राजस्थान में सत्ता की थकान और कुछ हद तक छत्तीसगढ़ में सत्ता की थकान के बावजूद, वर्षों बाद ऐसा हो रहा है कि कांग्रेस किसी चुनाव में कुछ हवा के साथ उतर रही है। एक साल पहले भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद से, ग्रैंड ओल्ड पार्टी की किस्मत ने कुछ हद तक अच्छा मोड़ ले लिया है। हालाकि ठीक उन्हीं कारणों से भाजपा कांग्रेस को होने वाले किसी भी वास्तविक या शब्दाडंबरपूर्ण लाभ को विफल करने के लिए उत्सुक होगी। वह कांग्रेस की प्रगति को रोकना चाहेगी और जाति जनगणना के इर्द–गिर्द खुद को फिर से केंद्रित करने वाली भारतीय राजनीति के लिए जमीनी समर्थन के किसी भी संकेत को बेअसर करना चाहेगी। यहां पार्टी का तुरुप का इक्का स्थानीय नेतृत्व नहीं बल्कि खुद प्रधानमंत्री मोदी हैं, जिनका राष्ट्रपति शैली का प्रचार अभियान विधानसभा चुनावों तक फैला हुआ है। सफल जी20 शिखर सम्मेलन और महिला आरक्षण विधेयक के आसपास उनकी छवि फिर से मजबूत होने के साथ, पार्टी उच्च निवेश के अनुरूप परिणाम चाहेगी। इसके अलावा, चार बड़े चुनाव वाले राज्यों में 82 लोकसभा सीटें हैं। राजस्थान 25, एमपी 29, छत्तीसगढ़ 11 और तेलंगाना 17। पहले तीन, जो सख्त द्विआधारी राजनीति के भीतर काम करते हैं, एक तिहाई का योगदान करते हैं। 186 या उससे अधिक लोकसभा सीटों पर 2024 में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीध ा द्विध्रुवीय मुकाबला देखने को मिलेगा।राज्य स्तर पर, ये चुनाव कई दिग्गजों की किस्मत का फैसला करेंगे और कुछ के लिए आखिरी झटका साबित होंगे। मैदान में अधिकांश मुख्यमंत्री प्रासंगिकता के लिए लड़ रहे हैं। कठिनाई के मोटे तौर पर क्रम में, यह शिवराज सिंह चौहान, के.चंद्रशेखर राव (केसीआर), अशोक गहलोत और अंत में, भूपेश बघेल होंगे, जो सबसे आरामदायक स्थिति में प्रतीत होते हैं। इसमें पूर्व मुख्यमंत्रियों वसुंधरा राजे, रमन सिंह और कमल नाथ को जोड़ें और आपके पास एक रोमांचक मिश्रण होगा। एक युवा तुर्क, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी हैं, जो अपने ही लागू हाइबरनेशन में जमे हुए प्रतीत होते हैं। मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी उम्मीदवारों की सूची बनाएं और सूची में कई क्षत्रपों और यहां तक कि कुछ केंद्रीय मंत्रियों को भी शामिल कर लिया जाए। यह सब मिजोरम के सीएम जोरमथांगा की गिनती नहीं कर रहा है, जो जोरम पीपुल्स मूवमेंट की कड़ी चुनौती से लड़ रहे हैं, जिसमें म्यांमार से कुकी–चिन–जो शरणार्थी की आमद के माध्यम से भू–राजनीति के तीव्र रंग शामिल हैं, जो इसे आग लगाने वाली स्थिति से भी जोड़ता है। पड़ोसी मानपुर में ये चुनाव इनमें से कई दिग्गजों की राजनीतिक किस्मत का फैसला करें गे। बहरहाल जातीय जनगणना की राजनैतिक हलचल के बीच परिणाम जो भी सामने आएगें उसके लिए राजनैतिक दल नही बल्कि वोटर जिम्मेदार होगें ऐसे में चुनावों बाद रोजगार, महंगाई, भ्रष्टाचार और कछुआ गति के विकास को लेकर किसी भी प्रकार की टीका टिप्पणी जायज नही होगी।

आधुनिकता की चका–चौन्ध में विस्मृत होती सात्विक सनातनी परंपराएंस

संजीव ठाकुर

वर्तमान में आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इस तरह तेज भाग रहे हैं कि हमारी सात्विक सनातनी परंपराएं धीरे–धीरे पीछे छूट रही हैं और हम आधुनिकता तथा परंपराओं के बीच त्रिशंकु बंद कर लटक रहे हैं। भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन सात्विक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही–सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैंस विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रध ान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में अतिथि देवो भव और वसुधैव कुटुंबकम वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं। पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके। वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्च अनाप–शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे–धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं।

मूर्तियों के सिवा भी
बहुत कुछ है खजुराहो में

कलाकृतियां भी किसी स्थल की सांस्कृतिक विशेषता हो सकती हैं इसका सबसे अच्छा उदाहरण खजुराहो के रूप में दिया जा सकता है। खजुराहो के मंदिरों का निर्माण दसवीं-ग्यारवहीं शताब्दी के बीच में चंदेल नरेशों ने किया था। एक सौ वर्ष की इस अवधि के दौरान उन्होंने कलापूर्ण, भव्य और मनोहारी 85 मंदिरों का निर्माण करवाया। इनमें से 25 अभी भी मौजूद हैं।

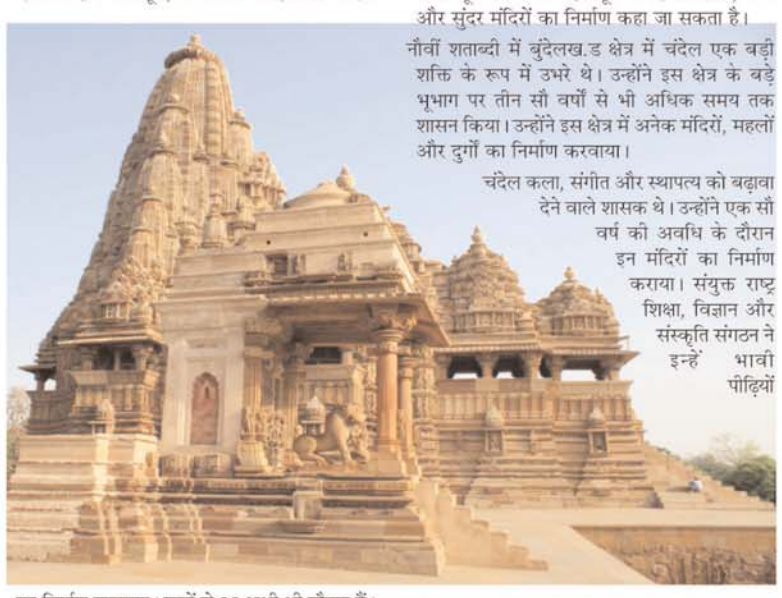

ये मंदिर भारतीय वास्तुशिल्प और मूर्तिकला के अनुपम उदाहरण के रूप में जाने जाते हैं। यद्यपि अधिकांश विदेशी पर्यटकों के लिए खजुराहो का मुख्य आकर्षण मैथुन मूर्तियां हैं पर देखा जाए तो खजुराहो में देखने के लिए और भी बहुत कुछ है।

इतिहास बताता है कि श्रीहर्ष के निधन के बाद भारत के राजनीतिक क्षितिज पर राजपूतों का वर्चस्व रहा। मध्य युग को तो एक तरह से राजपूतों का ही युग कहा जा सकता है। राजपूत स्वयं को अग्निकुल का सदस्य मानते हैं। वैसे वैदिक साहित्य में राजपूत शब्द नहीं मिलता लेकिन यह सत्य है कि हिन्दू धर्म और संस्कृति की रक्षा में राजपूत सदैव आगे रहे। उन्होंने वीरता और शौर्य के नये मानक स्थापित किए। भारतीय संस्कृति में राजपूतों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान विशाल, भव्य और सुंदर मंदिरों का निर्माण कहा जा सकता है।

नौवीं शताब्दी में बुंदेलख.ड क्षेत्र में चंदेल एक बड़ी शक्ति के रूप में उभरे थे। उन्होंने इस क्षेत्र के बड़े भूभाग पर तीन सौ वर्षों से भी अधिक समय तक शासन किया। उन्होंने इस क्षेत्र में अनेक मंदिरों, महलों और दुर्गों का निर्माण करवाया।

चंदेल कला, संगीत और स्थापत्य को बढ़ावा देने वाले शासक थे। उन्होंने एक सौ वर्ष की अवधि के दौरान इन मंदिरों का निर्माण कराया। संयुक्त राष्ट्र शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति संगठन ने इन्हें भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने हेतु इन्हें विश्व विरासत स्थल घोषित कर दिया है। खजुराहो में वैष्णव, शैव और जैन तीनों सम्प्रदायों के मंदिर मौजूद हैं। खास बात यह है कि इन मंदिरों की रचना में एक ही शैली का अनुसरण किया गया है। चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा और लाल शुआन महादेव के मंदिर को छोड़ कर सभी शेष मंदिर पन्ना की खानों से निकाले गए पत्थरों से बनाए गए हैं।

इन मूर्तियों के शिल्पकार मानव आकृतियों और मनोभावों के अद्भुत चितेरे थे। उन्होंने सभी मंदिरों के बाहरी भाग को विभिन्न भावपूर्ण मानव आकृतियों से अलंकृत किया। खजुराहो के मूर्तिकारों ने विभिन्न भावों को इतनी कलात्मकता से चित्रित किया है कि खजुराहो के मंदिरों को पत्थरों पर उकेरी कविता भी कहा जा सकता है। खजुराहो की मूर्तियों को पांच वर्गों में बांटा जा सकता है।

पहले वर्ग में विभिन्न सम्प्रदायों के मुख्य देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। जिनको कि गर्भगृह में स्थान दिया गया है। दूसरे वर्ग में परिवार के सदस्य, अनुचर, गौण देवी देवता और द्वारपाल हैं। इन्हें आलों या ताक में स्थान दिया गया है। तीसरे वर्ग में अप्सराओं और सुर-सुंदरियों की मूर्तियां आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों, खंभों और छत पर उत्कीर्ण किया गया है। घरेलू जीवन की झलकियां, पाठशाला के दृश्य, नृत्यांगनाएं और मिथुन मूर्तियां चौथे वर्ग में आती हैं। इन्हें मंदिर की बाहरी दीवारों पर चित्रित किया गया है। पांचवें वर्ग में पशुओं की मूर्तियां हैं- शार्दूल, सींगों वाला शेर, उस पर सवार धनुर्धारी और उस पर एक योद्या का आक्रमण।

यहां के मंदिरों की विशेषता यह है कि प्रत्येक मंदिर एक चबूतरे पर बना है, जो आसपास के क्षेत्र से कुछ अधिक ऊंचाई पर है। यह चबूतरा दो काम करता है- मंदिर की परिक्रमा का रास्ता बनाता है तथा भक्तजनों को बैठने, विश्राम करने और चहल-कदमी करने के लिए स्थान प्रदान करता है। मंदिर की मध्य छत अनेक शिखरों का आभास देती है। सर्वोच्च शिखर गर्भगृह के ऊपर है। मंदिरों के विभिन्न भाग एक दूसरे के साथ भीतर और बाहर से जुड़े हैं। पूर्व से पश्चिम को जाने वाली एक धुरी पर बनाए गए ये मंदिर एक सम्पूर्ण इकाई का रूप धारण करते हैं। सभी मंदिरों में अर्ध मंडप, मंडप अंतराल और गर्भगृह हैं। कंदरिया महादेव जैसे बड़े मंदिर में अतिरिक्त स्थान भी मौजूद हैं।

खजुराहो ने चंदेल नरेशों का वैभव, पराक्रम और कलात्मक गतिविधियां देखने के साथ ही गुमनामी का दौर भी देखा है। चौदहवीं शताब्दी में जब आबू रिहान अल बरूनी ने भारत की यात्रा की तो उसने खजुराहो को एक सम्पन्न नगर के रूप में पाया। इब्न बतूता ने भी इस क्षेत्र के मंदिरों को साधु-संन्यासियों से भरा पाया। फिर खजुराहो लोकमानस में गुम हो गया। इन मंदिरों को दुबारा 1838 में खोजने का श्रेय ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी टीएस बर्ट को जाता है।

अब जबकि खजुराहो के मंदिरों के निर्माण को एक हजार वर्ष से भी ज्यादा समय हो चुका है। खजुराहो को रेल मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव आया है जिससे अधिक से अधिक लोग यहां की सांस्कृतिक विशेषताओं और विरासतों से अवगत हो सकें।

लें पिकनिक का फुल मजा

मौसम है छुट्टियों का और छट्टियों में मौज-मस्ती करना भला किसे अच्छा नहीं लगता? उसमें भी जब पूरी फैमिली के साथ मौज-मस्ती का सुनहरा मौका पिकनिक के तौर पर मिले, तो खुशियां दोगुनी हो जाती हैं। खासकर तब जब आप छुट्टियों में किसी कारण से शहर से बाहर नहीं जा पा रही हैं। लेकिन कई बार छोटी-छोटी बातों पर ध्यान नहीं देने से पिकनिक उतनी मजेदार नहीं हो पाती, जितना कि हम

सबसे पहले यह सुनिश्चित कर लें कि पिकनिक के लिए आपको जाना कहां है? जैसे अपने ही शहर के दूरदराज लोकेशन या फिर आउट ऑफ टाउन। उस जगह की पूरी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें।

पिकनिक के लिए जरूरी सामान की लिस्ट बना लें ताकि कोई जरूरी सामान छूट न जाएं।

यदि पिकनिक का प्लान शहर के आस-पास जाने के लिए ही बनाया है तो फिर ज्यादा सामान कैरी न करें। आपके साथ कितने लोग जा रहे हैं, इस हिसाब से भी लिस्ट बनाएं।

अमूमन सभी पिकनिक स्पॉट पर खाने-पीने का सामान महंगा मिलता है। अत- यह बात पहले ही तय कर लें कि खाना वहां पर मंगवाना है या घर से बना-बनाया खाना ले जाना है या फिर वहां पर बनाना है।

अगर वहां पर खाना बनाना है तो एक छोटा सिलेंडर, गिल्ल करने का सामान, खाना बनाने के आवश्यक बर्तन और डिस्पोजेबल थाली, कटोरी, ग्लास और कुछ पेपर नैपकिन अवश्य रखें।

जरूरी दवाइयां, फर्स्ट एड किट जरूर ले जाएं। आपकी आउटफिट ऐसी होनी चाहिए जिससे आपको वहां पर किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पिकनिक खत्म हो जाने के बाद सारी गंदगी जैसे पेपर, नैपकिन, जूठन आदि को समेट कर डस्टबिन में डाल दें।

यदि किसी ऐतिहासिक इमारत में घूमने आई हैं तो वहां पर किसी प्रकार की छेड़छाड़ न करें।

सेफ्टी टिप्स

पिकनिक का प्लान बनाते समय ज्यादा सुनसान जगह को तरजीह न दें।

यदि किसी लेक या झील के किनारे जाने की सोच रहे हैं तो और भी ज्यादा सतर्कता बरतने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसी जगहों पर दुर्घटना की संभावना ज्यादा रहती है।

यदि लेक में नहाने के मूड में हैं तो पहले पानी का अंदाजा जरूर लगा लें। अपने आस-पास चौकसी बरतें, क्योंकि हो सकता है कि आपको अकेला पाकर कोई आपका फोटो लेने की फिराक में हो। पानी का बहाव तेज हो तो ज्यादा आगे जाने की गलती न करें। नहाने के दौरान लाइफ बेल्ट भी साथ में रखना न भूलें।

हमेशा ग्रुप में ही पिकनिक मनाने के लिए जाएं। यदि ग्रुप में सिर्फ आप लड़की या महिला हैं तो ऐसी पिकनिक से परहेज करें।

झील और पहाड़ आदि का शॉट लेने के लिए ज्यादा उतावले न हों और न ही इसके लिए झील के आस-पास घूमती रहें। अच्छी शॉट के चक्कर में कभी भी पांव फिसल सकता है और आप झील में गिर सकती हैं।

पिकनिक के दौरान नशे के सेवन से बचें और न ही किसी के द्वारा दी गई ड्रिंक का सेवन करें।

इन जगहों पर ज्यादा जूलरी पहन कर न जाएं। बहुत ज्यादा कैश लेकर न जाएं। यदि जा भी रही हैं तो इस बारे में ज्यादा प्रचार न करें।

पहाड़ों की चादर ओढ़े
मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माईंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं। मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉग

मेघालय का कैपिटल शिलॉग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉग न देखें । शिलॉग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हद्दहद्द है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वय से कार्य करें - कमिश्न

सीमा से लगे पाँच किलोमीटर के क्षेत्र के हथियार जमा कराएं – एडीजीपी

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। विधानसभा चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों से अपराधियों, हथियारों, नशीले पदार्थों के प्रवेश को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के लिए बैठक आयोजित की गई। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित अन्तर्राज्यीय बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर रीवा संभाग अनिल सुचारी ने की। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए संभाग के सभी जिलों के अधिकारी तथा सीमावर्ती राज्य के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समन्वय से कार्य करें। लगातार सम्पर्क तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगेगी। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे हुए उत्तरप्रदेश के क्षेत्र में पाँच किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी शराब की दुकानों पर क?ी निगरानी रखें। मतदान के 48 घंटे पहले सीमा पूरी तरह से बंद की जाएगी। इस अवधि में पाँच किलोमीटर की दायरे की सभी शराब की दुकानें भी बंद कराएं। कमिश्नर ने कहा कि सभी जिलों में जाँच नाके स्थापित कर दिए

गए हैं। इनमें पुलिस, राजस्व, परिवहन तथा अन्य विभागों के अधिकारी तैनात हैं। उत्तर प्रदेश राज्य के भी कर्मचारी इन नाकों में तैनात हो जाएंगे तो जाँच अधिक प्रभावी होगी। सतना जिले के सीमावर्ती क्षेत्र चित्रकूट में दीपावली में विशाल मेले में 10 से 15 लाख लोग शामिल होते हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद 17 नवम्बर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। मतदान से 48 घंटे पहले बाहर के सभी नागरिकों को जिले से बाहर करना प?ेगा। कलेक्टर सतना तथा कलेक्टर चित्रकूट इसके लिए समन्वय से आवश्यक प्रबंध करें। चुनाव भले ही मध्यप्रदेश में हो रहा है लेकिन सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के क्षेत्रों में भी अपराधियों पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। मुख्य मार्गों के साथ-साथ छोटे-छोटे मार्गों पर भी निगरानी रखें। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ मैदानी अधिकारियों में भी सम्पर्क और समन्वय रहेगा तो किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। बैठक में एडीजीपी केपी व्यंकटेश्वर राव ने कहा कि जाँच नाकों को प्रभावी बनाएं। जाँच नाके में किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशान न करें। सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की दुकानों तथा आदतन अपराधियों पर नजर रखें। गत चुनाव के समय जो व्यक्ति चुनाव संबंधी अपराधों में लिप्त रहे उन पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। पुलिस अधिकारी पाँच साल से अधिक समय के फरार स्थाई वारंटियों एवं जिला बदर अपराधियों की सूची का आदान-प्रदान करें। सीमा के दोनों ओर जब कार्यवाही होगी तो इन पर नियंत्रण रहेगा। हमारे क्षेत्र के किसी व्यक्ति के विरूद्ध यदि उत्तरप्रदेश में अपराध दर्ज है तो उसे विधानसभा चुनाव होने तक पैरोल पर रिहा न करें। मैदानी अधिकारी सम्पर्क तथा बैठकें निरंतर करें। रीवा, सीधी, सतना तथा सिंगरौली जिलों में कोरेक्स एवं अन्य मेडिकल नशे की आपूर्ति मुख्य रूप से प्रयागराज से होती है। समन्वय से कार्यवाही करके ही इस पर नियंत्रण होगा। बैठक में डीआईजी मिथिलेश शुक्ला ने कहा कि चुनाव और त्यौहार साथ-साथ हैं। इसलिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमें सावधानी से कार्यवाही करनी होगी। सीमावर्ती क्षेत्रों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित करके सभी शस्त्र जमा कराएं। बैठक में कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल ने विधानसभा निर्वाचन के लिए की जा रही तैयारियों एवं सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 16 स्थानों पर अन्तर्राज्यीय नाके लगाए गए हैं। विधानसभा क्षेत्र सिरमौर, सेमरिया, त्योंथर तथा मऊगंज की सीमाएं उत्तरप्रदेश राज्य से जु?ी हुई हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार कार्यवाही करके कानून और व्यवस्था बनाये रखी जाएगी। प्रयागराज जिले की सीमाओं से 55 मतदान केन्द्र तथा मिर्जापुर जिले से 14 मतदान केन्द्र जु? हुए हैं। अपराधियों, असामाजिक तत्वों, डीजल तथा पेट्रोल एवं शराब को अवैध रूप से जिले में प्रवेश से रोकने के लिए कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह ने चुनाव के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों तथा जाँच नाकों की व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सीधी रवीन्द्र वर्मा, पुलिस अधीक्षक मऊगंज वीरेन्द्र जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली शिवकुमार वर्मा तथा चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा सौपेगा ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा।विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा सौपेगा ज्ञापन बाहर से आए हुए हिमांचल तिब्बत एवम् अन्य प्रदेशों से व्यापारी व्यापार (सेल)करने के नाम पर गर्म कपड़ों का व्यापार करते है, जिसमें स्थानीय व्यापारी भाईयों को काफी नुकसान झेलना पड़ता हैं। उनको (बाहरी व्यक्तियों) दुकानें न लगाने व दुकानें हटाने हेतु वावत मध्य प्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री राजेंद्र शुक्ल जी व रीवा कलेक्टर महोदय के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन।सभी छोटे बड़े थोक व फुटकर स्थानीय व्यापारी भाईयों एवम् व्यापारी संगठनो से एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपने में एकता का परिचय देंगे।

दिनांक:18/10/2023
स्थान :हेमू कालाणी चौक
स्वागत भवन के सामने रीवा (म.प्र)
समय :11.30 बजे सुबह
विंध्य व्यापारी महासंघ रीवा

अपराधी की गिरफ्तारी पर 50 हजार का ईनाम

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने फरार आरोपी शिरीष सिंह बघेल पिता रमेश बहादुर सिंह निवासी रघुनाथपुरा की गिरफ्तारी के लिए 50 हजार रुपए के ईनाम की घोषणा की है। आरोपी को बंदी बनाने अथवा बंदी बनाने में महत्वपूर्ण सूचनाएं देने वाले व्यक्ति को 50 हजार रुपए नगद पुरस्कार के रूप में प्रदान किए जाएंगे। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश का निर्णय अंतिम रूप से मान्य होगा। यह घोषणा मध्यप्रदेश पुलिस रेग्युलेशन एक्ट के प्रावधानों के तहत की गई है। आरोपी शिरीष सिंह पर विभिन्न धाराओं के तहत थाना पनवार में प्रकरण दर्ज है। आरोपी लंबे समय से फरार है।

अनूप ग्वालियर दक्षिण क्षेत्र पर अड़े, पार्टी ने कहा पूर्व से तैयार हो तो विचार किया जा सकता है

ग्वालियर, पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा के टिकिट को लेकर भाजपा का शीर्ष नेतृत्व में पशोपेश में हैं। अनूप मिश्रा ग्वालियर दक्षिण विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के लिए अड़े हुये हैं।सार्वजनिक रूप से भी वे दक्षिण विधानसभा से टिकिट लड़ने का एलान कर चुके हैं। अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी ने अनूप मिश्रा के पास संदेश भेजा है कि अगर वे ग्वालियर पूर्व से चुनाव लड़ने को तैयार हो तो उस विचार किया जा सकता है। फैसला शीर्ष नेतृत्व ही करेगा। मुख्यमंत्री निवास पर आधी रात को ही बैठक में अनूप मिश्रा के टिकिट का मुद्दे पर चर्चा हुई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अब अनूप मिश्रा के टिकिट का फैसला दिल्ली में होगा। क्योंकि पार्टी नेतृत्व तक अनूप मिश्रा के कांग्रेस के संपर्क में होने की बात भी पहुंची है। और कांग्रेस ने उनके फैसले तक ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र को होल्ड पर रखा है।

दीवार लेखन तथा रैलियों से किया गया मतदाताओं को जागरूक

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। विधानसभा चुनाव में जिले के सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों में 17 नवम्बर को मतदान होगा। प्रत्येक मतदाता को मताधिकार के उपयोग के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेरित किया जा रहा है। इस संबंध में नोडल अधिकारी एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप प्लान बनाया गया है। इसके अनुसार जिले भर की शिक्षण संस्थाओं, ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिले भर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्वीप एम्बेस्डर द्वारा दीवार लेखन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। शासकीय भवनों तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में मतदाता जागरूकता से संबंधित नारे लगातार लिखे जा रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि सिरमौर में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा नगर पंचायत द्वारा महिला मतदाताओं की जागरूकता रैली निकाली गई। विभिन्न शिक्षण संस्थानों द्वारा भी रैली निकालकर मतदाताओं को प्रेरित किया गया। मऊगंज में ग्राम पंचायत बरहटा में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा पंचायत के कर्मचारियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर रैली निकाली। महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने परियोजना हनुमना के आंगनवाड़ी केन्द्रों में जागरूकता रैली निकाली। नगर पंचायत नईगढ़ी तथा देवतालाब में भी मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रीवा में जिला अभियोजन कार्यालय में अधिकारियों, कर्मचारियों तथा मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई। विकासखण्ड रायपुर कर्चुलियान के ग्राम फरेंदा में आँगनवाड़ी केन्द्र में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। महिला एवं बाल विकास विभाग की मऊगंज परियोजना के आंगनवाड़ी केन्द्रों में पर्यवेक्षक तथा आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने महिला मतदाताओं को एकत्रित करके उनके हाथों में मेंहदी लगाकर मतदाता जागरूकता के संदेश दिए। यूनियन बैंक की तेंदुन शाखा तथा मध्यांचल बैंक सिरमौर में पोस्टर लगाकर तथा ग्राहकों को मतदान की शपथ दिलाकर मतदाता जागरूकता के संदेश दिए गए। पिछड़ावर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा भी मतदाता जागरूकता का अभियान चलाया गया।

अमहिया पुलिस ने 4अलग अलग मामलो के आरोपियों को किया गिरफ्तार

थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौर के नेतृत्व मे हुईं कार्यवाही

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक शिवाली चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी अरविंद सिंह राठौर के नेतृत्व मे 4 अलग अलग चोरी के मामलो के आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। जिसमे बाइक बजाज सिटी 100 5647 चोरी की गई थीं वही पुलिस प्रशिक्षण शाला रीवा के ताला तोड़कर कापर के तार की चोरी की गई थी वही एक ओर बाइक होंडा साइन 5783 की चोरी की गई थी व प्रेम बूट हाउस डीजे लाइट की दुकान से जनरेटर का कापर

वायर चोरी गया था। जिस में आरोपी विजय साकेत पिता रामकृपाल साकेत 19 निवासी उलही थाना मनगवा हाल मुकाम अजगरहा रीवा किराए के मकान में रहता था जिससे सभी मशरूका जप्त कर पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहा उसको जेल भेज दिया गया।

उक्त कार्यवाही में- उपनिरीक्षक अरविन्द सिंह राठौर, एएसआई प्रेमशंकर द्विवेदी, प्रधान आरक्षक श्यामलाल पाठक, प्रधान ओपी रावत, प्रधान आरक्षक अजय चौधरी, प्रधान आरक्षक मकरध्वज तिवारी, प्रधान आरक्षक केपी सिंह, प्रधान आरक्षक अरुण चौबे, आरक्षक शरद सिंह बघेल, आरक्षक पियूष मिश्रा, आरक्षक विक्रम वर्मा, आरक्षक विकास तिवारी, आरक्षक धर्मेंद्र पटेल, की भूमिका सराहनीय रही।

विधानसभा चुनाव में होगा व्हीव्हीपैट इव्हीएम से मतदान

पुष्पांजली टुडे रीवा
पुष्पेंद्र सिंह (ब्यूरो चीफ मऊगंज)

रीवा। विधानसभा चुनाव के लिए रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान 17 नवम्बर को निर्धारित किया गया है। जिलें के 18 लाख 35 हजार 130 मतदाता 2014 मतदान केन्द्रों में व्हीव्हीपैट इव्हीएम से मतदान करेंगे। इस मशीन में मतदान के बाद मतदाता अपने मतदान कि पुष्टिकण पर्ची भी देख सकता है। निर्वाचन आयोग द्वारा उपलब्ध कराई गई यह मशीन शत प्रतिशत कारगर है। मतदान के लिए ईव्हीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन किया जा चुका है। इस संबंध में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रेयस गोखले ने बताया कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में दो भाग कन्ट्रोल यूनिट तथा बैलट यूनिट होता है। इव्हीएम में तीसरा भाग पुष्टिकरण पर्ची प्रदर्शित करने के लिए जोड़ा गया है। इसे व्हीव्हीपैट कहते हैं। मतदान करने के बाद इसमें सात सेकंड तक मतदाता को पुष्टिकरण पर्ची दिखाई देगी। इसके बाद पर्ची स्वचालित रूप से कटकर शीलबंद बाक्स में सुरक्षित भण्डारित हो जाती है। व्हीव्हीपैट मशीन का मुख्य उद्देश्य मतदाता द्वारा किये गये मतदान कि विश्वसनीय पुष्टि करना है। निर्वाचन आयोग द्वारा व्हीव्हीपैट मशीन के संबध में दी गई अधिकृत जानकारी के अनुसार मशीन पूरी तरह से सुरक्षित तथा कारगर है। इसमें दर्ज जानकारियां एक साल से अधिक समय तक सुरक्षित रहती हैं।

दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित भाव से काम कर रहा है राजरानी सेवा संस्थान - सिद्धार्थ श्रीवास्तव

पुष्पांजली टुडे रीवा

रीवा! भारतीय पुनर्वास परिषद सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं राष्ट्रीय न्यास द्वारा मान्यता प्राप्त राजरानी सेवा संस्थान, विजय सिंह मेमोरियल ट्रेनिंग रिसर्च और पुनर्वास संस्थान रीवा में दो दिवसीय राष्ट्रीय सतत पुनर्वास शैक्षणिक कार्यक्रम (ष्टत्रश्च) का गरिमामय समापन हुआ! कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं प्रख्यात कवि सिद्धार्थ श्रीवास्तव रहे! जबकि अध्यक्षता राजरानी सेवा संस्थान की संस्थापिका श्रीमती रानी सिंह ने की! विशिष्ट अतिथि के रूप में समा?सेवी श्लेषा शुक्ला, पर्यावरण वाहिनी संस्था की प्रमुख शशि श्रीवास्तव, साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट वेंकटेश्वर उपाध्याय, राजरानी संस्था के अध्यक्ष अजय सिंह, सचिव संजय सिंह एवं संस्था संचालक नरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे! सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन अर्चन किया! इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समा?सेवी सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि- ÷ राजरानी सेवा संस्थान वास्तव में दिव्यांग बच्चों के लिए समर्पित भाव से काम कर रहा है! बच्चों के जीवन की दशा और दिशा बदलने का कार्य कर रहा है ये वास्तव में प्रशंसनीय एवं सराहनीय है! संस्था के प्रयासों से बच्चे सांस्कृतिक कार्यकमों में भी सक्रिय रूप से भाग ले रहे है! ये उनकी जीवटता और जिजीविषा में वृद्धि

कर रहा है मैं संस्था के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों को इस पावन पुनीत एवं पुण्य कार्य के लिए हार्दिक साधुवाद देता हूँ÷ ततपश्चात निर्धारित विषय विशेषज्ञों द्वारा (ष्टत्रश्च) के टॉपिक स्वच्छता के विषय में निर्धारित समय अनुसार उपस्थित प्रतिभागियों को विस्तार से बताया गया! विशेषज्ञों द्वारा एक्टिविटी ,पी पी टी एवं साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट व प्रोजेक्टर के द्वारा विभिन्न विषयों को विस्तार पूर्वक समझाया गया! साथ ही विभिन्न राज्यों से कार्यक्रम में भाग ले रहे पार्टिसिपेंट्स का फीडबैक प्रश्न उत्तर के माध्यम से प्राप्त किया गया! तदुपरांत संस्था के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के द्वारा स्वच्छता के विषय में मनमोहक प्रस्तुति दी गई एवं पर्यावरण वाहिनी टीम के द्वारा स्वच्छता के लिए जागरूकता विषय में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई।ततपश्चात संस्था सचिव संजय सिंह द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियो व समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया!कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाचार्य अनीता विश्वकर्मा द्वारा किया गया! कार्यक्रम में विशेष रूप से शिक्षक संजय मिश्रा प्रयागराज, अरुण सिंह कोलेपुर मिर्जापुर, अमिता सिंह, आरती पटेल, दीप्ति सिंह, साधना पांडेय, एम. राधाराव, पूनम मिश्रा, कीर्ति शुक्ला, पूनम पांडेय, शिवानी पांडेय, अंचल मिश्रा, कोमल चर्मकार, अंजना सिंह, नेहा साकेत, रूबी पांडेय, नीतू सिंह, अल्पना पांडेय, तरन्नुम निशा, राजेश सिंह, युवराज सिंह, तिलक राज सिंह, कृष्णा राज सिंह सहित विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रतिभागी, विशेषज्ञ एवं वक्ता उपस्थित रहे!

बाली में सीरवी समाज के धर्मगुरू दीवान माधवसिंह व धर्म रथ वैल का किया भव्य बधावा

दैनिक पुष्पाजंली टुडे / नारायणलाल सेंणचा

पाली । बाली सीरवी समाज के धर्म गुरु एवं धर्म वैल रथ का भव्य स्वागत बंधावा एवं दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। बाली सीरवी समाज के परमार परिवार द्वारा धर्म गुरु माधवसिंह दीवान व आई माता जी की धर्म वैल रथ का आयोजन कर्ता ताराराम पोमाराम /भगाराम परमार बेरा मगरिया चामुण्डेरी रोड पर ढोल-नगाड़े जयकारों संग भव्य स्वागत बंधावा एवं धर्म गुरु ने बाली सोताला कोटवाल व जमादारी पंच गणों विभिन्न संगठनों के मानुभावो स्वजातीय महानुभावों सहित धर्म गुरु माधवसिंह दीवान ने धर्म के प्रति समाज सुधार शिक्षा एकता पर जोर दिया। इस मौके सभा गांवों के कोटवाल, जमादारी प्रमुख महानुभावों एवं इस मौके पर पुना बाबजी समस्त बाबा मण्डली संत गणों सहित पुर्व सन्ध्या पर एक शाम आई माता के नाम भजन संध्या कलाकार ओमभारती गोस्वामी सहित महाप्रसादी का भी आयोजन किया एवं आयोजन कर्ता परमार परिवार द्वारा धर्म गुरु एवं धर्म वैल का समाज की परम्परा अनुसार नज़राना व स्वागत किया। यह जानकारी मिडिया प्रभारी बाली गौडवाड खेताराम महाराज ने दी।

कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए समन्वय से कार्य करें - कमिश्नर

सीमा से लगे पाँच किलोमीटर के क्षेत्र के हथियार जमा कराएं - एडीजीपी

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने तथा सीमावर्ती क्षेत्रों से अपराधियों, हथियारों, नशीले पदार्थों के प्रवेश को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के लिए बैठक आयोजित की गई। कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित अन्तर्राज्यीय बैठक की अध्यक्षता कमिश्नर रीवा संभाग अनिल सुचारी ने की। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए संभाग के सभी जिलों के अधिकारी तथा सीमावर्ती राज्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी समन्वय से कार्य करें। लगातार सम्पर्क तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान से अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगेगी। मध्यप्रदेश की सीमा से लगे हुए उत्तरप्रदेश के क्षेत्र में पाँच किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी शराब की दुकानों पर क?ी निगरानी रखें। मतदान के 48 घंटे पहले सीमा पूरी तरह से बंद की जाएगी। इस अवधि में पाँच किलोमीटर की दायरे की सभी शराब की दुकानें भी बंद कराएं। कमिश्नर श्री सुचारी ने कहा कि सभी जिलों में जाँच नाके स्थापित कर दिए गए हैं। इनमें पुलिस, राजस्व, परिवहन तथा अन्य विभागों के अधिकारी तैनात हैं। उत्तर प्रदेश राज्य के भी कर्मचारी इन नाकों में तैनात हो जाएंगे तो जाँच अधिक प्रभावी होगी। सतना जिलेके सीमावर्ती क्षेत्र चित्रकूट में दीपावली में विशाल मेले में 10 से 15 लाख लोग शामिल होते हैं। इसके कुछ ही दिनों बाद 17 नवम्बर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। मतदान से 48 घंटे पहले बाहर के सभी नागरिकों को जिले से बाहर करना प?ेगा। कलेक्टर सतना तथा कलेक्टर चित्रकूट इसके लिए समन्वय से आवश्यक प्रबंध करें। चुनाव भले ही मध्यप्रदेश में हो रहा है लेकिन सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के क्षेत्रों में भी अपराधियों पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही करें। मुख्य मार्गों के साथ-साथ छोटे-छोटे मार्गों पर भी निगरानी रखें। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ मैदानी अधिकारियों में भी सम्पर्क और समन्वय रहेगा तो किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। बैठक में एडीजीपी केपी व्यंकटेश्वर राव ने कहा कि जाँच नाकों को प्रभावी बनाएं। जाँच नाके में किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशान न करें। सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की दुकानों तथा आदतन अपराधियों पर नजर रखें। गत चुनाव के समय जो व्यक्ति चुनाव संबंधी अपराधों में लिप्त रहे उन पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। पुलिस अधिकारी पाँच साल से अधिक समय के फरार स्थाई वारंटियों एवं जिला बदर अपराधियों की सूची का आदान-प्रदान करें। सीमा के दोनों ओर जब कार्यवाही होगी तो इन पर नियंत्रण रहेगा। हमारे क्षेत्र के किसी व्यक्ति के विरूद्ध यदि उत्तरप्रदेश में अपराध दर्ज है तो उसे विधानसभा चुनाव होने तक पैरोल पर रिहा न करें। मैदानी अधिकारी सम्पर्क तथा बैठकें निरंतर करें। रीवा, सीधी, सतना तथा सिंगरौली जिलों में कोरेक्स एवं अन्य मेडिकल नशे की आपूर्ति मुख्य रूप से प्रयागराज से होती है। समन्वय से कार्यवाही करके ही इस पर नियंत्रण होगा। बैठक में डीआईजी मिथिलेश शुक्ला ने कहा कि चुनाव और त्यौहार साथ-साथ हैं। इसलिए कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमें सावधानी से कार्यवाही करनी होगी। सीमावर्ती क्षेत्रों के शस्त्र लाइसेंस निलंबित करके सभी शस्त्र जमा कराएं। बैठक में कलेक्टर रीवा श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक रीवा विवेक सिंह, कलेक्टर मऊगंज अजय श्रीवास्तव, कलेक्टर सतना अनुराग वर्मा, कलेक्टर मैहर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक सतना आशुतोष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक सीधी रवीन्द्र वर्मा, पुलिस अधीक्षक मऊगंज वीरेन्द्र जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिंगरौली शिवकुमार वर्मा तथा चित्रकूट, प्रयागराज, मिर्जापुर के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

मानव श्रृंखला बनाकर दिया गया मतदान का संदेश

जिला निर्वाचन अधिकारी ने लोकतंत्र में हिस्सेदारी निभाने दिलाई शपथ

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 में मतदाताओं को मतदान करने के लिये जागरुक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधि के तहत मंगलवार को पुलिस परेड ग्राउंड सिविल लाइन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग वर्मा की उपस्थिति में भारत निर्वाचन आयोग के लोगो का मानव श्रृंखला के माध्यम से चिन्हांकन किया गया। स्वीप संबंधी गतिविधियों के इस आयोजन में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों, महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं एवं आमजनों को लोकतंत्र को सशक्त बनाने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, स्वीप के नोडल अधिकारी और सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झा?, निगमायुक्त श्री अभिषेक गहलोत, सहायक नोडल अधिकारी सौरभ सिंह, श्याम किशोर द्विवेदी, एनएसएस प्रभारी डॉ क्रांति राजौरिया सहित अधिकारी-कर्मचारी तथा ब?ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित जनों एवं जिले के मतदाताओं को संबोधित करते हुये कहा कि लोकतंत्र के इस पर्व में सभी मतदाता अपनी हिस्सेदारी निभाते हुये निर्वाचन की तारीख 17 नवंबर को मतदान जरुर करें। आपके एक मत से लोकतंत्र सशक्त होगा। साथ ही आपके क्षेत्र को एक योग्य निर्वाचित प्रतिनिधि मिलेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वर्मा ने अधिकारियों और आमजन को मतदाता की शपथ दिलाई कि ''हम शपथ लेते हैं कि लोकतांत्रिक परंपराओं कि मर्यादा को बनाये रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुये निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा तथा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुये बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।''

कलेक्टर की बड़ी कार्यवाही शहर के दो नर्सिंग होम किए सील

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नर्सिंग होम में पाई गई थी अनियमितता

भिण्ड। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के द्वारा लगातार निरीक्षण की करवाई जारी है। मंगलवार को शिकायत की जांच के दौरान अनिमियत्ता मिलने पर दो नर्सिंग होम को सील करने की कर्रवाई की गई।कलेक्टर को जानकारी मिली थी कि शहर में संचालित मां गायत्री नर्सिंग होम और मारुति नंदन नर्सिंग होम में अनियमिताएं बरती जा रही है। इसकी जांच करने के लिए कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव मंगलवार को दोनों नर्सिंग होम में पहुंचे। यहां जांच के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल में अनियमितताएं बरती जा रही है। मां गायत्री हॉस्पिटल संचालन की अनुमति डीसी शुक्ला के नाम से ली गई है जबकि जबकि मौके पर डॉक्टर रश्मि गुप्ता काम करते हुए पाई गई। इसके अलावा मारुति नंदन हॉस्पिटल में केके अग्रवाल के नाम

से संचालन की अनुमति ली गई है जबकि उनके स्थान पर शासकीय डॉक्टर हिमांशु बंसल उपचार करते हुए पाए गए। अनियमितता मिलने पर कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव ने दोनों ही नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई की है।मंगलवार को कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के द्वारा भिण्ड शहर के डॉक्टरलेन में स्थित मारूतीनंदन नर्सिंग होम एवं माँ गायत्री नर्सिंग होम, नई आबादी हाउसिंग कॉलोनी भिण्ड का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मारूतीनंदन नर्सिंगहोम पर डॉ. बंसल उपस्थित मिले उक्त नर्सिंगहोम में दो मरीज भर्ती मिले जिन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराकर मारूतीनंदन नर्सिंगहोम को सील किया गया। कलेक्टर श्री श्रीवास्तव ने गायत्री नर्सिंगहोम नई आबादी हाउसिंग कॉलोनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गायत्री नर्सिंग होम संचालक उपस्थित मिले जिनसे नर्सिंग होम कार्यरत महिला चिकित्सक के सम्बंध में पूछे जाने पर संतोषजनक जबाव न दिये जाने पर फटकार लगाई गई एवं दोनों ही नर्सिंगहोम को सील किये जाने के पश्चात उनके पंजीयन निरस्त करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड डॉ. शिवराम सिंह कुशवाह को दिये गये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिये गये। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भिण्ड डॉ. शिवराम सिंह कुशवाह, जिला स्वा. अधिकारी डॉ. एस.के.व्सास, राजेश शर्मा, विवेक शर्मा, सहाग्रेड-03 एवं राजदीप सिंह यादव, संगणक उपस्थित रहे।

छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर दिया मतदाता जागरूकता का संदेश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर निकाली मतदाता जागरूकता रैली

भिण्ड। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 01 भिण्ड की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब द्वारा स्वीप प्लान के तहत् छात्रों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया गया। मानव श्रृंखला जिला चिकित्सालय से शास्त्री चौराहे तक बनाई गई और दुकानदारों एवं राहगीरों को मतदान का महत्व बताते हुए उनसे अपने मताधिकार के प्रयोग करने की अपील की।छात्रों के हाथों में स्वयं तैयार किए गए स्लोगन लिखी तख्तियां थीं, जिनपर लिखा था- युवा तुम हो देश की शान -जागो उठो करो मतदान, उम्र अठारह पूरी है -मत देना बहुत जरूरी है, करे राष्ट का जो उत्थान -करें उसी को हम मतदान, जो विकास के काम करेंगे -वोट उसी के नाम करेंगे, बू?ा हो या जवान-आओ सभी करें मतदान, मानव श्रृंखला के बाद स्वीप रैली विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर शास्त्री चौराहे होते हुए वार्ड क्रमांक 6 आर्य नगर, अवंतीबाई स्कूल, भीमनगर, क्रमांक 2 स्कूल प्रांगण से वापस विद्यालय पर समाप्त हुई। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रभारी प्राचार्य सतेन्द्र सिंह कुशवाह, ई.एल.सी.क्लब प्रभारी श्रीमती प्रीति व्यास, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ.धीरज सिंह गुर्जर, इलेक्शन एम.टी. घनश्याम राठौर, पंकज शर्मा, विजय रायपुरिया, मधुराज शर्मा, देवकीनंदन सोनी, डी.पी.गुप्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

उम्मीदवारों को नामांकन की राशि ऑनलाइन जमा करना होगी

उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन में अभ्यर्थियों को नामांकन दाखिल करने के लिये नामांकन शुल्क की राशि ऑनलाइन जमा करना होगी। नामांकन राशि को जमा/प्राप्त करने के संबंध में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव श्रीवास्तव ने स्टेंडिंग कमेटी में बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के पदाधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी,श सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं इनके अधिनस्थ कार्य

करने वाले कर्मी आदि मौजूद थे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजकुमार खत्री और वरिष्ठ कोषालय अधिकारी की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में एवं सिस्टम ने नामांकन दाखिल करने के साथ ही नामांकन शुल्क की राशि ऑनलाइन जमा करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नामांकन राशि किस तरह ऑनलाइन जमा की जाना हैं। नामांकन शुल्क की राशि ऑनलाइन जमा करने के साथ ही उसके चालान/रसीद नामांकन फार्म के साथ संलग्न करना होगा। बताया गया कि अभ्यर्थी अपने नेट बैंकिंग/ओ.टी.सी के माध्यम से ऑनलाइन राशि जमा कर सकते हैं। बताया गया कि उम्मीदवार शासकीय कोष में ऑनलाइन/ओटीसी के माध्यम से राशि ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। जिससे की उनके द्वारा किए गए सभी लेनदेन की जानकारी एवं रिपोर्ट त्वरित उपलब्ध रहेगी। चालान जमाकर्ता ऑनलाइन रिफंड हेतु आवेदन कर सकते हैं। जमाकर्ता का आवेदन संबंधित जिले के आहरण संवितरण अधिकारी के लॉगिन पर उपलब्ध हो जाता है जिसके लिए चालान जमा किया गया है।

सतना जिला के मझगवा ब्लॉक अंतर्गत सुकवाह संकुल अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला राम नगर आदिवासी वस्ती में शिक्षको के मनमानी के चलते बच्चों का भविष्य अंधकार में जा रहा है

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सरकारी स्कूलों का हाल धीरे धीरे बिगड़ता जा रहा हैशिक्षको की जब मर्जी होती है तब स्कूल खुलती है और जब मर्जी तब बंद कर देते है कोई देखने वाला नई है आज शासकीय प्राथमिक शाला राम नगर आदिवासी वस्ती 11:20 के बाद स्कूल का ताला खुलाबच्चों का कहना है हम लोग 10:00 बजे स्कूल के गेट पर खड़े हो जाते हैं मैडम लोग 11:00 बजे स्कूल का चैनल गेट खोलते हैं और 3:00 बजे स्कूल बंद भी हो जाती हैअभिभावकोई का कहना है कि 6 साल हो गए बच्चो की छात्र वृति अभी तक नई आईअभिभावको का कहना है कि स्कूल पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है तब भी बच्चों को जर्जर बिल्डिंग के नीचे बैठाया जाता है हाल ही में बच्चों के नीचे जर्जर बिल्डिंग भी गिर चुकी है कोई जनहानि नहीं हुई

ओवरटेक करते समय बाइक सामने आ जाने से अनियंत्रित होकर बस खेत में पलटी डेढ़ दर्जन लोग हुए घायल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत भिंड ग्वालियर हाइवे पर बिरखडी के पास बाइक एवं बस में भिड़ंत हो गई जिसमें बस अनियंत्रित होकर खेत में जा पलटी जिससे बस में बैठी सवारियां घायल हो गई एवं बाइक सवार भी गंभीर रूप से घायल हो हो गया जानकारी के अनुसार बस क्रमांक एमपी 07 पी 7932, ग्वालियर से भिंड की ओर जा रही थी बस ने बिरखड़ी के पास ओवरटेक करने की कोशिश की तभी मेहगांव की ओर से बाइक क्रमांक एमपी 30 एमव्ही 0857 आ रही थी जिसे सामने आते देखकर बस अनियंत्रित होकर खेत में पलट गई जिससे बालेंद्र उर्फ बबलू पुत्र राम प्रकाश कुशवाह उम्र 32 वर्ष

निवासी पनउआ थाना मेहगांव, सीमा देसाई पत्नी देवेश देसाई उम्र 35 साल निवासी डीडी नगर ग्वालियर, नरेश पुत्र रघुवीर जाटव उम्र 55 साल निवासी अटेर, नवल किशोर पुत्र बृजमोहन उम्र 50 साल निवासी कोट मोहल्ला गोहद, रज्जाक पुत्र रहीस खान उम्र 32 साल निवासी डीडी नगर ग्वालियर, नीरज त्रिपाठी पुत्र एस एन त्रिपाठी उम्र 53 साल निवासी ग्वालियर मनोज माहोर पुत्र सत्येंद्र माहोर उम्र 57 साल निवासी दर्पण कॉलोनी ग्वालियर रामवीर सिंह पुत्र गिरधारी सिंह उम्र 62 साल निवासी नागदा उज्जैन, विजय पुत्र राजाराम उम्र 22 साल निवासी भिंड, पूनम तोमर पत्नी नारायण सिंह तोमर उम्र 31 साल निवासी भगत सिंह नगर ग्वालियर, बीपी त्यागी पुत्र दयाराम त्यागी उम्र 66 साल निवासी रौन, शैलेंद्र पांडे पुत्र कृष्ण नारायण पांडे उम्र 55 साल निवासी भिंड, दीवान सिंह भदोरिया पुत्र सुरेश सिंह भदोरिया उम्र 78 साल निवासी आदित्यपुरम ग्वालियर सुधा बघेल पत्नी करण सिंह बघेल उम्र 34 साल निवासी बिरखड़ी थाना

रौन, कीर्ति पत्नी अरविंद तोमर उम्र 33 साल निवासी ग्वालियर देवेश पुत्र ज्ञानेंद्र उम्र 40 साल निवासी डीडी नगर ग्वालियर ममता शर्मा पत्नी अखिलेश शर्मा उम्र 43 साल निवासी धर्मवीर पेट्रोल पंप के पास ग्वालियर घायल हो गए जिनमें ममता शर्मा एवं बालेंद्र उर्फ बबलू पुत्र राम प्रकाश कुशवाह को गंभीर स्थिति में ग्वालियर रैफर कर दिया है

आगामी चुनावों व त्योहारों के मद्देनजर शिवपुरी पुलिस की आदतन अपराधियों पर कार्यवाही

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी की अनुशंसा पर कलेक्टर शिवपुरी द्वारा 05 पर जिला बदर एवं 03 पर थाना अटैच की कार्यवाही की है

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-शिवपुरी कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला शिवपुरी द्वारा पुलिस अधीक्षक जिला शिवपुरी की अनुशंसा पर दिनांक 16/10/2023 को जिले के निम्नलिखित 05 अपराधी को जिलाबदर एवं 03 अपराधी को थाना अटैच किये जाने का आदेश पारित किया ङ्क प्रभात रावत पुत्र करन सिंह रावत उम्र 29 साल, निवासी सिंहनिवास थाना कोतवाली, जिला शिवपुरी (म.प्र.) अरविन्द पुत्र रामनिवास यादव उम्र 28 साल निवासी ग्राम मनका थाना पिछोर जिला शिवपुरी (म.प्र.)सहदेव पुत्र केदारनाथ जाटव उम्र 31 साल निवासी ग्राम बुढौन चौकी खोड थाना भौती जिला शिवपुरी (म.प्र.) महेन्द्र सिंह उर्फ कल्लू गुर्जर पुत्र हरकिशन गुर्जर उम्र 35 साल निवासी ग्राम बम्हाररी थाना बम्हारी जिला शिवपुरी (म.प्र.) मल्थू उर्फ अतर सिंह पुत्र मगनलाल परिहार उम्र 32 साल निवासी ग्राम खिरियाजागीर थाना दिनारा जिला शिवपुरी (म.प्र.) गोविन्द उर्फ बंटी गुर्जर पुत्र जबरसिंह गुर्जर निवासी निजामपुर मगरोनी थाना नरवर जिला शिवपुरी (म.प्र.)

डाटा फीज नहीं कराने पर सात प्राचार्यों की दो वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने नोटिस

पुष्पांजलि टुडे
राजेश कुमार तिवारी
ब्यूरो चीफ सतना

सतना कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये सात कार्यालय प्रमुखों (प्राचार्य) को कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के डाटाबेस में आवश्यक संशोधन नहीं कराने पर दो वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने कारण बाताओ नोटिस जारी की है। इनमें प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय सतना, प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैहर, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टिकुरिया टोला, प्राचार्य शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धवारी, प्राचार्य नादन, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोहावल, प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झुकेही के नाम शामिल हैं। संबंधित को जारी नोटिस में कहा गया है कि कार्यालय के अंतर्गत अधिकारी-कर्मचारियों के डाटाबेस में आवश्यक संशोधन करते हुये डाटा फीज कराने के निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। जिससे स्थानांतरित सेवानिवृत्त और मृत कर्मचारियों की ड्यूटी भी मतदान दल में लगी हुई है। निर्वाचन जैसे अति-संवेदनशील कार्य के प्रति घोर उदासीनता और लापरवाही बरतना कदाचरण एवं अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। संबंधितों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत अनुशासनात्मक दंडात्मक कार्यवाही भी किये जाने की चेतावनी दी गई है। संबंधितों की कारण बताओ नोटिस का जवाब 24 घंटे के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं।

रात्री चैकिंग के दौरान दो लाख रुपये की अवैध शराब मय कार के जप्त की गयी ।

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पुलिस अधीक्षक महोदय शिवपुरी श्री रघुवंश सिंह भदौरिया द्वारा आगामी चुनावों एवं त्योहारों के मद्देनजर जिले के समस्थ थाना प्रभारियों को अवैध शराब व अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु निर्देशित किया गया है एवं शांति व्यवस्था खराब करने बालों व अराजकता भेलाने बालों तत्वों पर शख्ती से कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया है । उक्त निर्देशों के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले व एसडीओपी करैरा श्री शिवनारायण मुकाती के कुशल मार्गदर्शन मे में थाना अमोला द्वारा अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुये दिनांक 16.10.23 को थाना अमोला पर मुखविर द्वारा सूचना मिली की अवैध शराब से भरी हुई कार क्रमांक क्र/8क्क्ड्ड9341 शिवपुरी तरफ शराब की भरी हुई अमोला तरफ आ रही है । सूचना पर तुरंत कार्यवाही करते हुये थाना प्रभारी अमोला उनि. अमित चतुर्वेदी द्वारा थाना अमोला के सामने हाईवे रोड पर बेरिकेडिंग लगाकर चैकिग लगायी गयी । कुछ समय बाद एक ग्रे कलर की अल्टो कार आयी जिसे पुलिस टीम द्वारा रोकने की कौशिश की गयी, कार चालक ने थाने के बेरिकेड तोडते हुऐ सिलानगर रोड़ तरफ भागे जिसे मोटा तिराहा की पुलिया पर पकड़ा । आरोपी रात्री अंधेरा का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया । गाडी की चैकिंग की गयी तो गाड़ी मे कुल अवैध शराब की 30 पेटी भरी होना पायी गयी जिसमे से 10 पेटी बोल्ट वियर, 20 पेटी प्लेन मदिरा थी थाना अपराध क्रमांक 247/ 23 धारा 34 (2) आवकारी एक्ट का कायम कर विवेचना मे लिया गया ।

चंबल में भाजपा-कांग्रेस में फूटे बगावत के सुर

ग्वालियर.। टिकट वितरण के साथ ही ग्वालियर-चंबल अंचल में भाजपा और कांग्रेस में असतुष्टों के इस्तीफे व पार्टी छोड़ने का दौर शुरू हो गया है। भिंड में लहार विधानसभा सीट से टिकट ने मिलने से नाराज भाजपा के पूर्व विधायक रसाल सिंह ने पार्टी छोड़कर बसपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। हाथों हाथ पार्टी ने उन्हें लहार से नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह के सामने उम्मीदवार घोषित कर दिया है। उधर कांग्रेस में गोहद विधानसभा सीट पर पार्टी प्रत्याशी राहुल भदौरिया को टिकट मिलने से नाराज किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ने पार्टी में पद से इस्तीफा दे दिया है। शिवपुरी और दतिया में पार्टी प्रत्याशी को विरोध जोर पकड़ रहा है। शिवपुरी में भाजपा छोड़कर कांग्रेस में गए वीरेंद्र रघुवंशी को टिकट न मिलने का मामला तूल पकड़ गया है। रघुवंशी के समर्थकों ने भोपाल में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के सामने कड़ा विरोध जताया तो उनका कहना है कि मैंने तो रघुवंशी के नाम पर ही मोहर लगाई थी।रसाल सिंह बोले-अब बसपा में ही रहूंगाबसपा का सदस्यता ग्रहण समारोह में पूर्व विधायक रसाल सिंह ने कहा कि अब परिणाम जो भी हो, मैं बसपा का साथ कभी नहीं छोड़ूंगा। मेरे पास सूचना आई थी कि मुख्यमंत्री मुझसे मिलने के लिए आने वाले हैं, अंबरीश शर्मा (भाजपा प्रत्याशी) ने मुझसे कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भी कहा था, लेकिन मैंने मना कर दिया कि मुख्यमंत्री अब मुझसे मिलने न आएं। पिछली बार भाजपा ने मुझे जबरदस्ती चुनावी मैदान में उतारा। चुनाव हारने के बाद भी मैं मेहनत करता रहा।

शिक्षण संस्थानों में इस माह होंगे व्यक्तित्व विकास शिविर

महेंद्र शर्मा उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्य भारत शिक्षा समिति ग्वालियर द्वारा संचालित माधव महाविद्यालय, माधव विधि महाविद्यालय, माधव शिक्षा महाविद्यालय, पीजीवी विज्ञान महाविद्यालय, पीजीवी उमा विद्यालय, वीरांगना लक्ष्मीबाई उमा विद्यालय, सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निखारने के लिए पांच दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर 31 अक्टूबर तक अलग-अलग तिथियों में आयोजित किए जाएंगे।मध्य भारत शिक्षा समिति के सचिव अरुण अग्रवाल ने बताया कि समिति के सभी शैक्षणिक संस्थानों में शिवरार्थियों की संख्या तय की गई है। उनका चयन एवं पंजीयन भी शुरू हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पाठ्यक्रम, डिग्री एवं रोजगार के बीच की खाई को पाटने का यह नवोन्मेष प्रयास है। श्री अग्रवाल ने कहा कि निश्चित रूप से इस शिविर से विद्यार्थियों के गुणों एवं क्षमताओं का विकास होगा,क्योंकि इन शिविरों में सूर्या फाउंडेशन नई दिल्ली के प्रशिक्षक प्रशिक्षण देंगे। उल्लेखनीय है कि सूर्या फाउंडेशन गत 30 वर्षों से युवाओं के व्यक्तित्व विकास में लगी हुई है। देश की यह प्रतिष्ठित संस्था हजारों शिविर आयोजित कर लाखों युवकों को प्रशिक्षित कर चुकी है। जिससे युवकों को रोजगार के अवसर मिलने में काफी सुविधा हुई है। माधव महाविद्यालय के शिविर संयोजक डॉ. शिवकुमार शर्मा ने बताया कि माधव महाविद्यालय में पांच दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर 17 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

रेलवे ने कुली शुल्क में किया बदलाव, ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज अलग

ग्वालियर। उत्तर मध्य रेलवे के झांसी मंडल ने पोर्टेज चार्जेस यानी कुली शुल्क में परिवर्तन कर दिया है। अब 37 से 40 किलोग्राम तक हाथ से ले जाने वाले या सिर पर ले जाने वाले भार का शुल्क 50 रुपए होगा। इसी भार को फुट ओवरब्रिज से ले जाने पर 70 रुपए देने होंगे। वेटिंग चार्ज के दौरान पहले 30 मिनट निश्शुल्क रहेंगे। 30 मिनट से ज्यादा होने पर 50 रुपए वेटिंग चार्ज देय होगा।

दो कुलियों का ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज-दो कुलियों द्वारा दोपहिया या चार पहिया से 160 किलोग्राम तक का भार ढोने पर ग्राउंड लेवल पर 110 रुपए और फुटओवर ब्रिज के उपयोग पर 140 रुपए लगेंगे। दो कुलियों द्वारा बीमार व दिव्यांग व्यक्ति को व्हील चेयर या स्ट्रेचर के जरिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक ग्राउंड लेवल पर ले जाने पर 110 रुपए और फुटओवर ब्रिज से ले जाने पर 140 रुपए देने होंगे।
स्ट्रेचर के लिए चार कुलियों का चाज- रेलवे ने कुली शुल्क में किया बदलाव, ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज अलगत्त2ड्ड्यद्बश्चह्ल- ह्लद्ग2ह्य- रेलवे ने कुली शुल्क में किया बदलाव, ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज अलग
व्हील चेयर या स्ट्रेचर के लिए चार कुलियों के इस्तेमाल पर ग्राउंड लेवल पर 220 रुपए और फुटओवर ब्रिज के इस्तेमाल पर 270 रुपए देने होंगे। ये व्यवस्था झांसी मंडल के वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, मुरैना, बांदा, चित्रकूट धाम कर्वी, ललितपुर, बबीना, महोबा, उरई, खजुराहो, दतिया, डबरा, मऊरानीपुर, हरपालपुर आदि स्टेशनों पर लागू कर दी गई है।

चेतना मंच दशहरे में श्री राम कथा का भव्य मंचन दिनांक 24 को शताब्दीपुरम नवीन दशहरा मैदान में

किर्गिस्तान एवं मलेशिया के कलाकार होंगे मुख्य आकर्षण

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर 17 अक्टूबर। चेतना मंच के तत्वाधान में शताब्दीपुरम् स्थित नवीन दशहरा मैदान में 19वें विशाल

दशहरा समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में किर्गिस्तान एवं मलेशिया के कलाकारों की पारम्परिक नृत्य प्रस्तुतियाँ, रामचरित मानस पर आधारित संगीत नाटिकाश्री रामकथा तथा 65 फीट के रावण का दहन विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। चेतना मंच के अध्यक्ष श्री दीपक तोमर एवं संरक्षक श्री ब्रजेश यादव द्वारा जारी की गयी जानकारी में बताया कि, नवीन दशहरा मैदान शताब्दीपुरम् में 19वें दशहरा समारोह में किर्गिस्तान के 12 एवं मलेशिया के 10 कलाकारों के दल विशेष रूप से अपनी प्रस्तुति देने आ रहे हैं। ग्वालियर महानगर में तथा सम्भवतः म.प्र. में प्रथम बार विदेशी कलाकरों की दशहरे पर प्रस्तुतियाँ होगी। जिसमें मलेशिया के दल द्वारा नागजत तथा किर्गिस्तान के दल द्वारा काराजोरगो नृत्य की प्रस्तुती दी जायेगी। ये नृत्य इन देशों के पारम्परिक नृत्य हैं जो जीत के अवसर किये जाते है। गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी 65 फीट के रावण का दहन किया जायेगा जो सम्भवतः नगर में सबसे बड़ा रावण दहन होगा। चेतना मंच के उपाध्यक्ष डॉ. अरविन्द मित्तल एव रामप्रकाश परमार ने बताया कि मंचन श्रीराम कथा%% के निर्देशक बृजकिशोर दीक्षित है, जिसमें 80 कलाकार इस मनमोहक संगीत नाटिका में रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर प्रस्तुती देगें। एक घण्टा तीस मिनट अवधि की इस श्रीराम कथा में शिव विवाह का भव्य मंचन होगा, जिसमें नंदी महाराज का नृत्य, शिवजी की विशाल बारात मुख्य आकर्षण होगी। जिसमें भूत-प्रेत एवं देवी-देवता नृत्य करते हुये दिखाई देगें। इसके उपरांत राम जन्म, ता?का वध, लंका दहन, लक्ष्मण शक्ति, राम-रावण युद्ध आदि प्रसंगों को बहुत ही आकर्षक रूप में विशेष लाइट व्यवस्था के साथ प्रस्तुत किया जायेगा। कार्यक्रम के अन्त में 65 फीट के रावण मेघनाथ एवं कुम्भकरण के विशाल पुतलों का दहन किया जायेगा जो सम्भवतः नगर मे सबसे बड़े रावण का पुतला होगा।इसके उपरांत बहुत ही आकर्षक आतिशबाजी होगी।कार्यक्रम को ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल, माँ पीताम्बरा ज्वैलर्स, चौधरी घनश्याम एकेडमी, अभिलाषा एन.डी.ए. क्लासेस, रिसा इण्डस्ट्रीज, बृजवासी मिष्ठान भण्डार, श्रीराम मिष्ठान भण्डार, सजल कन्स्ट्रक्शन एवं रेस्टॉरेंट, देहली पब्लिक अकेडमी, ॠषिगालव पब्लिक स्कूल, लिटिल फ्लॉवर्स स्कूल, जॉयवैली स्कूल, इण्डीकिड्स पब्लिक स्कूल, डी.पी.एम. क्लासेस एवं मुस्कान ज्वैलर्स आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। चेतना मंच के दीपक तोमर, बृजेश यादव, डॉ. अरविन्द मित्तल, डॉ. आदित्य भदौरिया, सुरेश वर्मा,पी.एस. कुशवाह, रामप्रकाश परमार, बालकृष्ण शर्मा, अरविन्द वाजपेयी, विकास अग्रवाल, सागर नाती, गिर्राज शर्मा, अशोक मिश्रा, जे.पी. पाण्डेय, श्याम नरेश, श्रीमती शालिनी गुप्ता आदि ने सभी धर्मप्रेमी बन्धुओं से आग्रह है कि दशहरे वाले दिन सांयकल 07 बजे तक अपना-अपना स्थान ग्रहण कर कार्यक्रम को सफल बनायें।

विधायक के जाति प्रमाण पत्र मामले में हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में खारिज

ग्वालियर (नप्र)। अशोकनगर विधायक जजपाल सिंह जज्जी के जाति प्रमाण पत्र के मामले में आए हाईकार्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट में दायर याचिका में विधायक के जाति प्रमाणपत्र पर सवाल खडे किए गए थे, साथ ही स्क्रूटनी कमेटी के निर्णय जिसमें विधायक को नट जाति का होना माना गया , उस पर भी प्रश्नचिन्ह लगाया गया था। इस मामले में याचिका पर हाईकोर्ट की डबल बैंच ने फैसला सुनाते हुए विधायक के पक्ष में फैसला दिया। जिसे याचिकाकर्ता लड्डूराम कोरी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को इस याचिका को खारिज कर दिया है। बता दें कि इसके अलावा विधायक के खिलाफ चुनाव याचिका भी दायर की गई थी जिस पर लगातार सुनवाई चल रही है। इस मामले में मंगलवार को हाईकोर्ट में फाइनल बहस हो सकती है। संभव है इस याचिका पर भी हाईकोर्ट जल्द ही अपना फैसला सुना दे ।बुजुर्ग की मौत के बाद लाश रखकर चक्काजाम करने वालों पर एफआइआर दर्जमुरार इलाके में रहने वाले मुन्नालाल पाठक की बीते रोज मौत हो गई थी। झगड़ा होने पर उनकी बहू लक्ष्मी पाठक ने अपने मायके वालों को बुलाया था। मायके वालों ने मारपीट की, तभी मुन्नालाल की झगड़े में मौत हो गई। मुन्नालाल के परिवार वालों ने बहू और उसके मायके वालों पर हत्या की एफआइआर की मांग की। इसी मांग को लेकर बारादरी चौराहे पर लाश रखकर चक्काजाम कर दिया। इसके बाद पुलिस ने विकास पाठक, सिद्धांत पाठक, जीतू पाठक, मोनिका पाठक, महादेवी नाठक, अनुज, अरुण, अंकिता, राहुल , आशीष, गिरीश, टिंका, कल्लू, सीमा, रूपा, राकेश, सुनील सहित अज्ञात पर चक्काजाम करने के मामले में एफआइआर दर्ज की है। इन लोगों ने अचार संहिता लागू होने के बाद भी चक्काजाम किया था।

जेयू का दावा, साल के अंत तक होगी पीएचडी की प्रवेश परीक्षा

ग्वालियर । जेयू का लापरवाह रवैया एक बार फिर छात्रों के लिए जी का जंजाल बना हुआ है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सत्र 2022-23 भी खत्म होने आया है लेकिन जेयू अभी तक पीएचडी की प्रवेश परीक्षाएं आयोजित नहीं करवा पाया है। जो परीक्षाएं मार्च में होना प्रस्तावित थी वह जेयू के लापरवाह रवैये के चलते छह माह बीत जाने के बाद भी अभी तक अटकी हुई हैं। आंकडें की बात करें तो विश्वविद्यालय में लगभग 436 सीटों पर यह प्रवेश परीक्षा होनी है जिसके लिए छात्र काफी लंबे समय से इंतजार में है। वहीं प्रवेश परीक्षाओं को लेकर जेयू प्रबंधन पर भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं है, अभी भी वह आज-कल ही कर रहा है। हालांकि चुनावी प्रक्रिया और आचार संहिता को देखकर लग नहीं रहा कि इस वर्ष के अंत में भी यह परीक्षा हो पाएंगी। वहीं जेयू के प्रशासनिक अधिकारियों का दावा है कि वह तेजी से प्रक्रिया पूरी करवा रहे हैं, जिसके साथ 2023 के अंत तक यानि नवम्बर-दिसम्बर में प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करवा दी जाएगी। वैसे यह दावा कोई नया नहीं है, जेयू पिछले कई महीनों से ऐसे ही दावे कर रहा है लेकिन हकीकत में सब दावे हवा हवाई हैं।जेयू में पीएचडी की प्रवेश परीक्षा आयोजित हुए भी काफी समय हो गया है। वर्ष 2021 में आखरी बार जेयू ने 40 विषयों पर 933 सीटों के लिए परीक्षा आयोजित करवाई थी। इनमें से तीन विषय केमिकल इंजीनियरिंग, मोलीक्यूलर ह्यूमन जेनेटिक्स और आयुर्वेद विषय में एक भी परीक्षार्थी अंक प्राप्त नहीं कर पाया था। वहीं इस बार 35 विषयों में लगभग 436 सीटों के लिए परीक्षा आयोजित करवाई जाना है। वैसे सीटों का यह प्रारंभिक आंक?ा है, हो सकता है इसमें अभी कोई परिवर्तन हो।पीएचडी की प्रवेश प्रक्रिया के लिए तैयारियां चल रही है। अधिकतर चीजें हो चुकी हैं कुछ जो भी शेष हैं उन्हें पूरा करवा कर हम इस वर्ष के अंत तक परीक्षाएं आयोजित करवा लेंगे।

एलएनआइपीई मामले में मजिस्ट्रियल जांच शुरू, 10 बिंदु तय

ग्वालियर । एलएनआइपीई में विषाक्त भोजन खाकर सैकड़ों छात्र छात्राओं के बीमार होने के मामले में 10 बिंदुओं पर कोई भी 20 अक्टूबर तक साक्ष्य या दस्तावेज दे सकता है। ज्वाइंट कलेक्टर बृजबिहारी श्रीवास्तव की ओर से कलेक्टर के आदेश पर मजिस्ट्रियल जांच शुरू कर दी गई है। इस संबंध में उदघोषणा भी जारी कर दी गई है। यहां यह बता दें कि एलएनआइपीई में विषाक्त भोजन खाने से ढ़ाई सौ के लगभग छात्र-छात्राओं की हालत खराब हो गई थी। दो अक्टूबर को गांधी जयंती की शाम को खाना खाने के बाद छात्र बीमार हो गए और अगले दिन ज्यादा हालत खराब होने पर जेएएच के हजार बिस्तर अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुल 142 छात्र छात्राएं भर्ती हुए और कुछ दिनों में ठीक होकर संस्थान पहुंचे।

अतिरिक्त महाधिवक्ता के खिलाफ शिकायत, भाजपा के कार्यक्रम में हुए शामिल

ग्वालियर (नप्र)। हाइकोर्ट ग्वालियर खंडपीठ के अतिरिक्त महाधिवक्ता अंकुर मोदी के खिलाफ भारत निर्वाचन आयोग को शिकायत की गई है। यह शिकायत मप्र कांग्रेस विधि एवं मानव अधिकार विभाग के एडवोकेट नितिन शर्मा की ओर से भेजी गई है। शिकायत में बताया गया है कि 15 अक्टूबर को होटल शेल्टर में भाजपा के कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष के साथ संवैधानिक पद पर बैठे अंकुर मोदी ने मंच साझा कर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।शिकायत में कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं इस मामले में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एलके पांडेय ने कहा कि शिकायत अभी उनतक नहीं पहुंची है, आते ही जांच कराई जाएगी। नितिन शर्मा ने शिकायत में बताया कि अतिरिक्त महाधिवक्ता अंकुर मोदी रविवार को शाम पांच बजे के लगभग भाजपा के विधि प्रकोष्ठ महानगर ग्वालियर के राजनीतिक कार्यक्रम में मुख्य वक्ता थे इस कार्यक्रम में भाजपा के ग्वालियर विधानसभा के प्रत्याशी प्रद्युम्न सिंह तोमर सहित कई नेता मंचपर थे। अतिरिक्त महाधिवक्ता द्वारा भाजपा के हित में कार्य करने के लिए कहा गया। शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ वीडियो और कार्यक्रम का आमंत्रण पत्र भी आयोग को भेजा है।

मतदाता में बढ़े भरोसा जिससे निर्भीक होकर करें मतदान- रेलवे ने कुली शुल्क में किया बदलाव, ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज अलगत्त रेलवे ने कुली शुल्क में किया बदलाव, ग्राउंड और फुटओवर ब्रिज पर चार्ज अलग
ग्वालियर-चंबल संभाग में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण ढंग से विधानसभा चुनाव कराने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग सतर्क और गंभीर है। इसलिए दोनों संभागों के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ एनएसए व जिलाबदर सहित सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। जिससे आम मतदाता में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। यह निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश अनुपम राजन ने ग्वालियरङ्कचंबल संभाग की चुनाव तैयारियों की समीक्षा बैठक में दोनों संभागों के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए। अनुपम राजन ने जोर देकर कहा कि अंतर्राज्यीय व अंतर जिला नाकों पर 24 घंटे विशेष निगरानी रखें। अवैध धन, मदिरा व अन्य मादक पदार्थ व अवैध हथियारों सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री अभियान बतौर जब्त करें। साथ ही इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

20 पेटी बियर बोल्ट कंपनी की व 03 पेटी प्लेन शराब कुल 212 लीटर शराब कीमती 1,76,000 रूपये सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री रघुवंश कुमार सिह जी के द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन, अवैध शराब की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देश के पालन मे श्रीमान अति0 पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले जी के निर्देशन एवं श्रीमान एस.डी.ओ.पी. महोदय श्री शिवनारायण मुकाती के मार्गदर्शन में दिनांक 16.10.2023 को रात में थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि हाईवे पर स्थित पृथ्वी ढावा पर अबैध शराव की बिक्री कर रहा है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु हमराह फोर्स को लेकर हाईवे रोड करैरा पृथ्वी ढावा पर पहुंचे तो ढावा के बाथरूम मे से एक व्यक्ति शराव के क्वार्टर निकाल कर बेच रहा था जो पुलिस को देख

कर भागने लगा जिसे हमराही फोर्स की मदद से पकडा उसका नाम व पता पूछा तो उसने अपना नाम रतीराम जाटव पिता हरीराम जाटव उम्र 40 साल निवासी ग्राम फतेहपुर थाना करैरा का होना वताया बाद ढावा के बाथरूम मे चैक किया तो 03 पेटी देशी प्लेन शराव की एवं एक पेटी मे 25 क्वार्टर देशी प्लेन शराव के रखे पाये गये उक्त तीनो शराव की पेटियो को खोल कर चैक किया तो तीनो पेटियो मे 50 -50 क्वार्टर देशी प्लेन शराव के रखे मिलें । उक्त व्यक्ति से शराब रखने व बेचने का वैध लायसेंस चाहा तो उसने अपना पास कोई लायसेंस न होना बताया आरोपी रतीराम के कव्जे से कुल 175 क्वार्टर देशी प्लेन शराव कुल कीमती 16,000 रूपयें को विधिवत जप्त कर जप्ती पंचनामा तैयार किया गया । आरोपी रतीराम जाटव से शराव के संवंध मे पूछताछ कर धारा 27 साक्ष्य मेमों लिया गया तो आरोपी द्वारा ढावा के पीछे भूंसा के अन्दर बोल्ट कंपनी की ठंडी बियर का होना बताया आरोपी के बताए अनुसार ढाबा के पीछे भूसा में से 20 पेटी ठंडी बियर बोल्ट कंपनी की जिनमें कुल 240 बोतल 750 एमएल की कीमत करीवन 1,60,000 रूपये जप्त की गयी व आरोपी को गिरफ्तार किया गया । आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया । आरोपी से अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

बरामद माल- 20 पेटी बियर बोल्ट कंपनी की जिसमें कुल 240 बोतल 750 एमएल, 180 लीटर 03 पेटी देशी प्लेन शराब, 175 क्वाटर कुल 32 लीटर कुल मशरूका कीमती 1,76,000 रुपये ।

इनकी रही भूमिका: थाना प्रभारी निरी0 सुरेश शर्मा, उनि केपी शर्मा ,उनि वैजनाथ मिश्रा, प्रआर 391 मोहन सिह वघेल, आर 1073 अनूप कुमार, आर 724 दीपेन्द्र गुर्जर, आर 338 हरेन्द्र गुर्जर ।

जिला अस्पताल का एक ब्लाक तैयार, फिर भी नहीं मिल रहा उपचार

ग्वालियर। जिला अस्पताल के नवनिर्मित भवन का एक ब्लाक मरीजों के लिए पूरी तरह से तैयार हो चुका है, लेकिन मरीजों के लिए इस ब्लाक के द्वार सोमवार को नहीं खुल सके। सोमवार को यह ब्लाक अस्पताल प्रबंधन के सुपुर्द होना था, लेकिन निर्माण एजेंसी के चीफ इंजीनियर के घर हादसा हो गया। अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि अब जिला अस्पताल में मरीजों शिफ्टिंग में दो से चार दिन लग सकते हैं। सोमवार को स्टेट असेसमेंट आफ लक्ष्य की टीम की ओर से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल में भिंड से आए डा. देवेश शर्मा ने बारीकी से जांच पड़ताल की। मुरार प्रसूतिगृह में लेबर रूम और आपरेशन थिएटर सहित पीआइसीयू तक का निरीक्षण कर दस्तावेजों की जांच की, जिसमें कई खामियां मिली जिसको लेकर स्टाफ को प्रशिक्षण देते हुए उन्हें जच्चा-बच्चा की किस तरह से केयर की जाए तथा उनके दस्तावेजों का संधारण करने के बारे में बताया गया है।

निरीक्षण दल सुबह 11 बजे प्रसूतिगृह मुरार पहुंचा जहां पर शाम सात बजे तक निरीक्षण किया। सबसे पहले आपरेशन थिएटर पहुंचा जहां पर बारीकी से जांच पड़ताल की और स्टाफ से आपरेशन के दौरान क्या क्या सावधानियां बरती जाएं उसके बारे में जानकारी ली। इसके बाद लेबर रूम और फिर वार्ड तथा पीआइसीयू को देखा। डिलेवरी के दौरान किस तरह से सुरक्षा अपनाई जाए कि संक्रमण से जच्चा बच्चा को बचाया जा सके इसके बारे में स्टाफ ठीक से जवाब नहीं दे सका। इस पर दल के प्रमुख डा. शर्मा ने उन्हें प्रशिक्षण भी दिया। इसके बाद डिलेवरी के दस्तावेजों को देखा तो काफी सारे कागज नहीं मिले। प्रसूता का फार्म भी ठीक से नहीं भरवाया जा रहा था

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478